मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 16 सितंबर 2024

संवत 2081, भाद्रपद शुक्ल 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-8, अंक 12 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आरबीआई और बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

आदित्य रॉय कपूर संग ब्रेकअप पर अनन्या पांडे ने तोड़ी चुप्पी ◂◂ 6

झारखण्ड सरकार · GOVERNMENT OF JHARKHAND

सर्वजन की सरकार
सभी के हितों से सरोकार

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की स्वीकृति मिल गई है। मेरे आवेदन को बैंक से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर मुझे ऋण उपलब्ध हो सकेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुझे उच्च शिक्षा ग्रहण करने में समस्या आ रही थी। योजना का लाभ मिलने से मेरे जैसे कई युवाओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी।

आदित्य कुमार, बोकारो

रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर माह हमें एक हजार और साल में 12 हजार रूपया प्राप्त होगा। मुझे दूसरी किस्त भी प्राप्त हो गई है। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।

दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
राज्य की 18 से 50 वर्ष तक की लाखों बहनों को हर साल **₹12 हजार** की सम्मान राशि

बैंक क्रेडिट/लिंकेज
राज्य की **2,60,994** महिला समूह को **₹11,225 करोड़** की राशि उपलब्ध करायी गयी

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना
20 हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु करोड़ों की राशि वितरित

राज्य संपोषित अबुआ आवास योजना
20 लाख गरीब परिवार को रसोई घर युक्त तीन कमरे का पक्का आवास

मुख्यमंत्री बिरसा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
15 लाख तक का स्वास्थ्य बिमा, **66 लाख** राशनकार्ड धारियों को लाभ

मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना
200 यूनिट तक बिजली उपभोग करने वाले **38.41 लाख** लाभुक का बिजली बकाया माफ

झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना
लगभग **6.5 लाख** किसानों को राहत, **₹1 हजार 900 करोड़** का ऋण माफ ऋण माफी की राशि **₹50 हजार** से बढ़कर **₹2 लाख** की गई

साइकिल वितरण योजना
8 लाख बच्चों को मिली साइकिल

CM उत्कृष्ट विद्यालय
80 स्कूल में CBSE माध्यम से पढ़ाई,हो, पंचायत स्तर पर कुल **5 हजार** स्कूलों को उत्कृष्ट बनाया जा रहा है

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप
35 लाख बच्चों को मिला लाभ

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना
9 लाख किशोरियों को **₹40 हजार** (प्रति किशोरी) की सहायता राशि

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड
15 लाख तक का ऋण, हजारों युवाओं को मिल रहा लाभ

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशिय छात्रवृति योजना
विदेश में उच्च शिक्षा के लिए वंचित वर्ग के युवाओं को राज्य सरकार दे रही **100% स्कॉलरशिप**

साइकिल की राशि मिलने से हम जैसे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल जाने में सहूलियत रहती है। साइकिल मिल जाने से अब आने-जाने का कोई खर्च अलग से नहीं उठाना पड़ेगा, इसके लिए राज्य सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद।

गायत्रु मुंडा, कुडापूर्ति, मुरहू, खूंटी

अबुआ आवास के लिए मुझे दूसरी किस्त की राशि मिल चुकी है। इस राशि से मैंने घर के छत लेवल का काम पूर्ण कर लिया है। तीसरी किस्त की राशि जल्द मिलेगी, ऐसा प्रखंड कार्यालय द्वारा बताया गया है। किस्त मिलते ही घर के छत की ढलाई पूरा करूँगा। मेरा घर मिट्टी का था, लेकिन सरकार ने मुझे पक्का आवास दिया है। हेमंत सोरेन को जोहार।

सुजीत मुंडा, कांके, ग्राम चौबे खटंगा, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR 335855 (IPRD)24-25

न्यूज ब्रीफ

पत्रिका सेवा सुरभि के 25वें विशेषांक युग परिवर्तन की ओर का लोकार्पण

रांचीः सेवा भारती झारखंड के सेवा जागरण की पत्रिका सेवा सुरभि के रजत जयंती वर्ष के 25वें विशेषांक युग परिवर्तन की ओर का लोकार्पण केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने किया। सेठ ने कहा कि युग परिवर्तन एक शास्वत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। हम प्रकृति में सतत परिवर्तन देखते हैं। हमारा देश प्रगति के पायदान पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हर आंगन में खुशहाली ही सच्चा परिवर्तन है। सरकार के साथ-साथ आज सेवा भारती संस्था अपने विभिन्न सेवा कार्यों के द्वारा सेवा बस्ती व सुदूर ग्रामों में समाजिक नवजागृति ला रही है। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद क्षेत्र संघचालक देवव्रत पहान, प्रांत सह संघचालक अशोक श्रीवास्तव,पवन मंत्री,वीएन पाण्डेय,पवन बजाज, श्रवण जाजोदिया, भारत सेवा आश्रम संघ के सचिव स्वामी भूतेशानंद जी, स्वामी गोरानंद गिरी,उमाशंकर शर्मा,ओमप्रकाश केजरीवाल,राधेश्याम अग्रवाल, अभिजीत घोष,चंद्रकांत रायपत,अयोध्या नाथ मिश्र, नंदलाल साहू ,सोनी मेहता, लायंस क्लब, रांची महिला समिति के अध्यक्ष देवजानी भट्टाचार्य,पवन जायसवाल, गुरविंदर सिंह सेठी,आर एस अग्रवाल, दीपक कुमार, देवेन्द्र स्वामी,अशोक गाड़ोदिया, शुभेंदु भट्ट,विनय गांगुली,संजीव विजयवर्गीय सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरना धर्म कोड बिल व झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा करे प्रधानमंत्री : विजय शंकर नायक

रांचीः सरना धर्म कोड बिल व झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा करे प्रधानमंत्री । उपरोक्त बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखण्ड दौरे पर आने पर कही । श्री नायक ने आगे कहा कि झारखंड सरकार ने 11 नवंबर 2020 को झारखंड विधानसभा मे विशेष सत्र बुलाकर सरना धर्म कोड बिल को लागू करने की मांग को सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था । झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बंगाल विधानसभा में आदिवासियों के सरना धर्म कोड को मान्यता देने से संबंधित यह प्रस्ताव बिना किसी विरोध के ध्वनिमत से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया है । उसके बावजूद आज 5 वर्ष होने को हैं। इस दिशा में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की सरकार ने कोई सकारात्मक ठोस पहल नहीं की है जो निंदा का विषय है और आदिवासी समाज के साथ अन्याय भरा कदम भी है । श्री नायक ने आगे कहा कि आदिवासियों के वजूद बचाने के लिए इन मांगों की मंजूरी जरूरी है सरना धर्म कोड बिल एवं झारखण्ड को विशेष राज्य का दर्जा देने की अगर प्रधानमंत्री घोषणा करते है तो झारखंड के विधान सभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सुपड़ा साफ होने से बचा जा सकता है ।

पूजा पंडाल विवाद को लेकर सीएम से मिलने का करेगा प्रयास दुर्गा पूजा समिति

रांचीः रामलला दुर्गा पूजा समिति विवाद मामले को लेकर रविवार को रांची जिला दुर्गा पूजा समिति की एक बैठक प्रधान कार्यालय त्रिकोण हवन कुंड में संपन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष विक्की यादव ने कहा कि इस मामले में जारी गतिरोध को जल्द समाप्त करने के लिए रांची जिला दुर्गा पूजा समिति समुचित कदम उठाएगी। समिति जल्द से जल्द इस मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन से भी मिलने का प्रयास करेगी। मुख्य संरक्षक मुनचुन राय ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रांची में भव्य रूप से दुर्गा पूजा मनेगी। लाखों श्रद्धालु मां भवानी के दर्शन करेंगे।

दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण को पुलिस ने फिर रोक दियाः कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं महामंत्री कुंदन सिंह ने कहा कि इस मामले को लेकर सभी पूजा समिति एकजुट है। इस बैठक में मुख्य रूप से विक्की यादव, मुनचुन राय, राजेंद्र सिंह ,कुंदन सिंह ,अशोक पुरोहित ,अशोक चौधरी,मनोज पांडे,मनोज गुप्ता ,विश्वजीत घोष ,आलोक साहू ,ज्योति शंकर साहू ,अंकित गुप्ता ,रमेश गुप्ता ,राजेश ठाकुर ,नवीन साहू ,शानू झा ,रितेश साहू ,विनोद गोप ,संजय सिंह ,नीरज यादव सहित कई दुर्गा पूजा आयोजक मौजूद रहे। बता दें रविवार को रांची के पुरानी विधानसभा मैदान में दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण को पुलिस ने फिर रोक दिया। इसके बाद समिति ने बैठक की।

राजधानी में धूमधाम से निकाली गयी शांतिनाथ की शोभायात्रा

रांचीः जैन श्वेतांबर श्रीसंघ के पर्वराज पर्युषण के बाद लयस्मिता श्रीजी के सान्निध्य में श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से क्षमापना पर्व मनाया गया। मौके पर सुबह साढ़े आठ बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य रूप में शांतिनाथ जी की शोभायात्रा निकाली गयी। इसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। भक्ति गीतों पर रास्ते भर नाचते-झूमते और जयकारा लगाते रहे। यात्रा तुलसी चौक, मेकॉन चौक, हाई कोर्ट होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस बीच जुगल दरगड़, अक्षय सेठिया, संजय कोठारी, संजय नाहटा भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित करते रहे। जगह-जगह स्वागत शिविर लगा यात्रा में शामिल अनुयायियों का स्वागत किया गया। सभी के बीच खाने-पीने के समान बांटे गए। अपराह्न बाद मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। श्रुति सेठिया, खुशबू बोथरा, रूपम भंसाली, भविष्य सेठिया, प्रखर नाहटा, वेदिका मेहता, अंशुला सेठिया, सरोज सेठिया, प्रीति रामपुरिया ने धार्मिक नृत्य-गीत प्रस्तुत कर सब को झुमाया। नाट्य प्रस्तुति को सब ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए समस्त प्राणियों से हाथ जोड़कर क्षमायाचना भी की।

पीएम मोदी के दौरे के बाद झामुमो का पलटवार, कहा-

निराश व हताश दिखे प्रधानमंत्री

मेट्रो रेज

रांची : झामुमो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे पर पलटवार किया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड को उम्मीद थी कि पीएम चुनावी मौसम में यहां आये हैं, तो निश्चित ही राज्य की माइनिंग रॉयल्टी का बकाया 1.36 लाख करोड़, सरना धर्म कोड और ओबीसी आरक्षण पर कुछ घोषणा करेंगे। मगर इन सबका नाम तक नहीं लिया। यहां तक कि चंपाई सोरेन समेत पांच-पांच पूर्व सीएम भी अपने नेता से यह बात बुलवा नहीं सके। अब इन्हें आने वाले दिनों में जनता को जवाब देना होगा, नहीं तो वे किस मुंह से जनता के बीच जायेंगे। श्री भट्टाचार्य पार्टी के कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

पीएम के मंच पर भूतों का जमावड़ा : उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र पूरी तरह से हताश और निराश दिखे। क्या-क्या बोल गये, उन्हें भी पता नहीं चलेगा। पीएम मोदी ने भूत की बात की। कहा कि किसी पार्टी का भूत किसी और पार्टी में चला जाता है। पीएम मोदी ने ये सही बात कही। जब वे मंच पर गये तो उनको कई भूत नजर आये। कोई झामुमो से गया हुआ भूत, कोई कांग्रेस से गया हुआ भूत, कोई जेवीएम से गया भूत। इससे पीएम को लगा कि यहां तो सभी भूत हैं। भाजपा के जो 240 सांसद जीत कर आये हैं, उनमें से 140 सांसद भूत ही हैं। यानी दूसरी पार्टियों के हैं। इनमें से 95 सांसद कांग्रेसी भूत हैं।

हिमंता बिस्वा सरमा बताया भूतः मणिपुर में आग लगाने वाले असम के सीएम भी भूत हैं। वे भी कभी कांग्रेसी थे। डेढ़ साल से जो मणिपुर जल रहा है, इसके सीएम भी भूत हैं। मंच पर आगे की कुर्सियों पर सिर्फ एक भाजपा का नेता था और वे थे शिवराज सिंह चौहान। कहा कि मंच पर मौजूद स्थानीय सासंद भी भूत ही थे। जो मंच का संचालन कर रही थीं, वो भी भूत हैं। पीएम मोदी के मंच पर भूतों का जमावड़ा लगा हुआ था। पीएम मोदी को सोते हुए में भी हर जगह का हार का भूत दिखायी दे रहा है। हरियाणा के साथ महाराष्ट्र में भी हार का भूत उनको दिखायी दे रहा है।

डीएमएफटी फंड कोई चमत्कार नहींः सुप्रियो ने कहा कि पीएम ने डिस्ट्रिक माइनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की बात की। यह सिर्फ झारखंड के लिए नहीं है। ये देश के उन सभी राज्यों के जिलों के लिए है, जहां माइंस और मिनरल्स हैं। इन जिलों से जो रॉयल्टी आती थी, उसका सिर्फ नाम बदल कर डिस्ट्रिक माइनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट कर दिया। ये कोई बहुत चमत्कार की बात नहीं थी, जिसकी चर्चा की गयी। दूसरी बड़ी बात उन्होंने ये कही कि पीएम आवास योजना को फिर से शुरू करेंगे।

झारखंड आने के बाद याद आता है शहीदों का नामः सुप्रियो ने कहा कि पीएम मोदी ने कभी पोटो हो का नाम नहीं लिया था, जबकि वे 2012 से झारखंड आ रहे हैं। मगर आज उन्होंने लिया। चूंकि सीएम हेमंत सोरेन ने पोटो हो के नाम से युवा वर्ग के लिए योजना की शुरूआत की, तो पीएम मोदी को भी पोटो हो का ख्याल आया। हेमंत सोरेन ने पोटो हो के नाम से ग्रामीण खेल योजना की शुरूआत की। जब वो संताल जाते हैं तो फूलो झानो के नाम से हमारी योजना के माध्यम से वे इन वीर क्रांतिकारी संताली महिलाओं से परिचित होते हैं।

शहीद मैदान धुर्वा में दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण कार्य रोका जाना तुगलकी फरमानः सुनील सिंह

रांचीः धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा के समीप शहीद मैदान में दुर्गा पूजा पंडाल को राम मंदिर के तर्ज पर बनाया जा रहा है। जिसे लेकर विरोध शुरू हो गया है। इस अवसर पर राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने मौके पर जाकर देखा और कहा कि शहीद मैदान में अयोध्या के राम मंदिर के स्वरूप बन रहे पूजा पंडाल को झारखंड की तुगलकी शासक हेमंत सोरेन जी के द्वारा जबरन तनाव उत्पन्न की जा रही है, जिसे झारखंड रांची के सनातनी समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। सुनील सिंह ने कहा कि 500 वर्ष बाद रामलला अयोध्या में विराजमान हुए हैं, और अगर राम मंदिर के स्वरूप रांची में भव्य पंडाल बन रहा है तो, इस पर सरकार को आपत्ति क्यों ? राम मंदिर स्वरूप पंडाल हिंदुस्तान में नहीं बनेगा ? तो क्या पाकिस्तान और बांग्लादेश में बनेगा? झारखंड सरकार विधानसभा चुनाव में वोट बैंक बढ़ाने की खातिर किसी एक वर्ग को खुश करने के लिए ऐसी कुकृत्य कर रही है। स्थानीय प्रशासन द्वारा परमिशन नहीं लिए जाने की बात कह कर निर्माण कार्य में रोक लगाना, तुगलकी फरमान जारी करने जैसा है ? पहले हरमू मैदान में निर्माण के लिए दिए गए परमिशन को हाउसिंग बोर्ड द्वारा कैंसिल किया जाना? और अब धुर्वा मैदान में आधा निर्माण कार्य होने के बाद रोक लगाया जाना? सरकार की गुंडागर्दी नहीं तो और क्या है? जबकि पूजा समिति द्वारा एचईसी को मैदान अलाउट के लिए 9 लाख किराए के रूप में दिया जा चुका है। और कई आला अधिकारियों को सूचना दी जा चुकी है। फिर भी प्रशासन द्वारा रोक लगाया जाना क्या न्यायोचित है? श्री सिंह ने कहा कि रांची में रामलला की स्वरूप पंडाल बनने से वैसे लोग भव्य मंदिर का दर्शन कर सकेंगे, व देख सकेंगे, जिन्हें अयोध्या जाने की और मंदिर देखने की मौका नहीं मिला है! वैसे लोग अब रांची में अयोध्या के राम मंदिर स्वरूप देख सकेंगे और देखकर अभीभूत होंगे। कहा रांची राम की नगरी है, रांची का एक-एक बच्चा राममय है, किसी भी कीमत पर कोई माई का लाल इस पूजा को रोक नहीं सकता? हमारे धर्म के साथ खिलवाड़ कर नहीं सकता? हमारी आस्था पर प्रहार कर नहीं सकता? यह निजी पूजा नहीं, सार्वजनिक पूजा है। हम हिंदुस्तान में रहते हैं, और हिंदुस्तान का मतलब होता है । जब हमें हिंदुस्तान में पूजा करने के लिए परमिशन लेना पड़े? तो क्या हम पाकिस्तान और बांग्लादेश में पूजा करने के बारे में सोच भी सकते हैं? इससे दुर्भाग्य की बात और क्या होगी ? ऐसे में उन बांग्लादेशी और पाकिस्तानी हिंदु भाइयों के साथ क्या होता होगा? यह सबसे बड़ी चिंतनीय विषय है?

अर्थात हम सनातनी समाज सरकार से आग्रह पूर्वक कहना चाहते हैं की सरकार व प्रशासन इस पचड़े में ना पड़े, पूजा पंडाल का निर्माण कार्य पूरा होने दे, और सनातनियों की आस्थाओं के साथ खिलवाड़ ना करे! कहा कि गैर भाजपा सरकार द्वारा हीं हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना और हिंदुओं की आस्था पर प्रहार करना। ऐसा क्यों किया जाता है? दुर्गा पूजा, रामनवमी जैसे धार्मिक आयोजनो का हीं विरोध क्यों किया जाता है? ए कहीं ना कहीं एक विशेष समुदाय की वोट बैंक के लिए खुश करना नहीं तो, क्या है? हिंदू सनातनी समाज जाग चुका है। ये वही लोग हैं जिन्होंने अयोध्या के राम मंदिर के आमंत्रण को ठुकरा दिया था,

महिला सशक्तीकरण की मिसाल

टाटा पटना वंदे भारत ट्रेन लेकर रवाना हुईं दो आदिवासी महिला लोको पायलट

रांची : पीएम मोदी ने झारखंड की धरती पर जिस छह वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया, उसमें से एक ट्रेन टाटा-पटना वंदे भारत है। खास बात यह है कि इस ट्रेन की दोनों लोको पायलट आदिवासी महिला है। इस ट्रेन को लोको पायलट लुटिया भगत और लोको पायलट सुनिका मुंडा लेकर पटना के लिए रवाना हुईं। इस ट्रेन में लगभग 600 यात्री सवार थे। लुटिया भगत इस रेलवे जोन की पहली महिला लोको पायलट हैं।

भारतीय रेलवे में महिलाओं की बढ़ती भूमिका महिला सशक्तीकरण का भी प्रतीक है। इस पर पीएम ने कहा कि अब देश के लोगों की प्राथमिकताएं बदल गयी हैं। इस संबंध में रेल राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में रेल में अकल्पनीय बदलाव हुए हैं। नयी ट्रेनों में सुरक्षा के साथ, यात्रियों की सुविधा, ट्रेन की गति को भी काफी डेवलप किया गया है। झारखंड में 600 किलोमीटर डबल और ट्रिपल रेल लाइन कर दी गयी है।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए चुनाव आयुक्त कार्यालय पहुंचे आरकेडीएफ विवि के छात्र

रांचीः राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को झारखंड मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय में शैक्षणिक भ्रमण के लिए ले जाया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । झारखंड के प्रमुख चुनाव आयुक्त आईएएस के रवि ने छात्रों को संबोधित किया तथा विधानसभा और लोकसभा की होनेवाली निर्वाचन प्रक्रिया से अवगत कराया। इसमें प्रमुख रूप से राजनीतिक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर रेणुका पोद्दार, इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अमिया कुमार बॉल शामिल थे।

साइक्लोनिक सकुर्लेशन

सोमवार सुबह से सभी जिलों में हो रही है तेज बारिश

अभी नहीं थमेगा झारखंड में तेज हवाओं और बारिश का दौर, ऑरेंज अलर्ट जारी

रांचीः बांग्लादेश के तट पर साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर झारखंड में देखने को मिला। राज्य के कई जिलों में पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। सोमवार की अहले सुबह से राज्य के लगभग सभी जिलों में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई जिलों में रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में छह जिले गुमला, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला खरसांवां, पूर्वी सिंहभूम व पश्चिमी सिंहभूम में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं रांची, लोहरदगा, लातेहार, पलामू व गढ़वा में ऑरेंज और चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो व धनबाद में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 16 व 17 सितंबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार में ऑरेंज अलर्ट, वहीं चतरा, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है। हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटा रह सकती है। 48 घंटों के दौरान कमजोर होगा साइक्लोनिक सकुर्लेशनः मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान साइक्लोनिक सकुर्लेशन डिप्रेशन के धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो जाने तथा झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ होते हुए पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में मॉनसून गतिविधि अति सक्रिय रही। राज्य में लगभग सभी स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी बारिश भी दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा 152.8 एमएम मेराल (गढ़वा) में दर्ज किया गया।

27वें एक्सपो उत्सव का ब्रोशर और पोस्टर जारी

26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मोरहाबादी मैदान में होगा उत्सव का आयोजन

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड का सबसे बड़ा कंज्यूमर फेयर, एक्सपो उत्सव 2024, अपने 27वें संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है। इस भव्य आयोजन का ब्रोशर और पोस्टर रविवार, 15 सितंबर को होटल रेनड्यू, लालपुर में जारी किया गया। इस मौके पर जेसीआई रांची के प्रमुख पदाधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों ने एक्सपो के विभिन्न आकर्षणों की जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद महुआ माजी थीं। उन्होंने एक्सपो उत्सव के लगातार सफल आयोजन के लिए जेसीआई रांची के सभी सदस्यों और आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक कंज्यूमर फेयर नहीं है, बल्कि यह छोटे और नए उद्यमियों को अपने उत्पाद और प्रतिभा को एक बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर भी देता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एक्सपो की शुरूआत छोटे टाउन हॉल से हुई थी और आज यह आयोजन बड़े मोराबादी मैदान में हो रहा है। उनके अनुसार, एक्सपो अब झारखंड का चेहरा बन चुका है, क्योंकि इसमें विभिन्न राज्यों और कुछ विदेशी प्रतिभागी भी शामिल होते हैं। यह वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है। इस वर्ष के एक्सपो उत्सव 2024 में कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इनमें मारुति, एल।जी।, डाइकिन, एच।पी।, लेनोवो, पॉलीकैब, सीपी प्लस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, अफगानिस्तान, थाईलैंड, तुर्की, दुबई और अन्य देशों के स्टॉल धारक भी इस फेयर में भाग लेंगे, जिससे इसे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन बना दिया गया है। इस बार एक्सपो में 350 से अधिक स्टॉल होंगे, जिनमें से 90% से अधिक स्टॉल पहले ही बुक हो चुके हैं। आगंतुकों के लिए स्टॉल धारक 5% से लेकर 50% तक की छूट देंगे, जिससे लोग एक ही स्थान पर कई बड़े ब्रांड्स का लाभ उठा सकेंगे। इस साल के एक्सपो में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन की विशेष व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए एम्यूजमेंट पार्क, महिलाओं और लड़कियों के लिए एक खास पिंक हैंगर, और घरेलू सामान, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे तमाम उत्पादों के स्टॉल होंगे। हर साल की तरह इस बार भी ऑटो जोन होगा, जहां नई गाड़ियों की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। खाने-पीने के शौकीनों के लिए एक भव्य फूड जोन होगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध होंगे। एक्सपो उत्सव 2024, जो 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगा, पूरे परिवार के लिए मनोरंजन और खरीदारी का एक शानदार अवसर होगा। जनता इस कंज्यूमर फेयर का आनंद उठा सकती है और कई प्रमुख ब्रांड्स के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 16 सितंबर 2024

संवत 2081, भाद्रपद शुक्ल 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-8, अंक 12 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 आरबीआई और बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

आदित्य रॉय कपूर संग ब्रेकअप पर अनन्या पांडे ने तोड़ी चुप्पी 6

ADMISSION OPEN 2024-25

Offline Registration forms available in the school office on all working days from 9:00 AM to 2:00 PM.

near Firayalal Chowk, Opp. Hotel Le Lac, Line Tank Road, Ranchi- 834001

www.jkworldschool.com 8002955059, 7785039282

J.K. WORLD SCHOOL

...school for Special Child

We Offer

SPECIAL EDUCATION
SPEECH THERAPY
BEHEVIOUR THERAPY
PHYSIOTHERAPY
OCCUPATIONAL THERAPY
REMEDIAL INTERVENTION
VOCATIONAL TRAINING
ASSESSMENT & COUNSELLING

Day Care, Sports, Yoga Classes, Computer, Dance & Music, Transportation, Art & Craft

Dr. Shweta Pandey
Incharge Cum Coordinator

लापता युवती की तलाश में धुर्वा डैम पहुंची एनडीआरएफ की टीम, आत्महत्या की आशंका

रविवार को युवती का चप्पल और स्कूटी डैम के फाटक के पास से नगड़ी पुलिस ने किया था बरामद

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के धुर्वा डैम में एक युवती द्वारा कूदकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। रविवार को युवती का चप्पल और स्कूटी डैम के फाटक के पास से नगड़ी पुलिस ने बरामद किया है। इसे लेकर सोमवार को एनडीआरएफ की टीम धुर्वा डैम पहुंचकर युवती के शव की तलाश कर रही है। घटना के संबंध में बताया गया कि युवती धुर्वा की रहने वाली है और शनिवार की रात ढाई बजे अपने घर से बिना किसी को कुछ बताए स्कूटी लेकर निकली थी। उसके घर से निकलने की जानकारी होते ही परिजन उसे आसपास खोजने लगे। खोजते हुए जब वे डैम की ओर गए, तो उन्हें युवती की चप्पल और स्कूटी खड़ी मिली। परिजन डैम में युवती द्वारा छलांग लगाने की आशंका से घबराकर धुर्वा थाना पहुंचे, वहां उन्हें बताया गया कि मामला नगड़ी थाना का है। इसके बाद वे रविवार की सुबह साढ़े चार बजे नगड़ी थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी।

पुलिस द्वारा एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई थी, परंतु टीम शाम में डैम पहुंची। शाम में अंधेरा होने के कारण युवती की तलाश नहीं की जा सकी। सोमवार को एनडीआरएफ की टीम युवती की तलाश में डैम में उतरी है। इस संबंध में आसपास के लोगों ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का है, युवती वहीं के एक युवक से प्रेम करती है। वह ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर घर में ही रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को पलामू जेल में किया गया शिफ्ट

कारोबारियों से लगातार मांग रहा था लेवी

मेट्रो रेज

रांचीः बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा रांची में बंद पीएलएफआइ सुप्रीमों दिनेश गोप को पलामू जेल में शिफ्ट किया गया। सोमवार को सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिनेश गोप को जेल में शिफ्ट किया गया है। बता दें रांची जेल में बंद रहकर भी कारोबारी से लेवी मांगने का काम कर रहा था। जिसके बाद जेल प्रशासन ने उसे दूसरे जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया।

पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआइए ने 21 मई 2023 को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लाया गया था। दिनेश गोप के खिलाफ झारखण्ड, बिहार और ओड़िसा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआइ के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखण्ड पुलिस ने दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआइए की ओर से पांच लाख कुल 30 लाख इनाम घोषित था। एनआइए ने 22 मई 2023 को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआइए को सौंपा था। पूछताछ के दौरान एनआइए ने दिनेश गोप की निशानदेही पर कई हथियार और गोलियां बरामद की थी।

मजदूरों को ले जा रही जीप ट्रक में घुसी, 9 की मौत, कई घायल

सिरोही : राजस्थान के सिरोही जिले में रविवार की देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया। जबकि दो गंभीर रूप से घायलों को उदयपुर अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक मजदूरों को लेकर आ रही एक जीप ने रॉन्ग साइड से जाकर ट्रक में सामने से टक्कर मार दी। ये सभी लोग पाली जिले में मजदूरी करने जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

यह पूरा मामला पिंपवाड़ा थाना क्षेत्र के कांटल के पास का बताया जा रहा है। यहां ट्रक और जीप में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में दो लोगों की हालत ज्यादा गंभीर होने की वजह से उन्हें उदयपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का सिरोही अस्पताल में ही इलाज किया जा रहा है। सभी लोग उदयपुर जिले के ओगणा थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। इस हादसे में जीप के ड्राइवर और ठेकेदार की भी मौत हो गई है।

सांप के डसने से एक की मौत दो गंभीर

लोहरदगाः जिले में बारिश होते ही एक बार फिर सर्पदंश के मामले बढ़ गए हैं। अलग-अलग स्थान में तीन लोगों को सांप ने डसा है। जिसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि दो लोगों का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है। फिलहाल दोनों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। दोनों का चिकित्सकों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। अलग-अलग स्थान में एक वृद्ध, एक बच्ची और एक युवती को सांप ने काट लिया। जिसमें से इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। जबकि बच्ची और युवती का लोहरदगा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। लोहरदगा जिला के सदर थाना क्षेत्र के बंजार किस्को गांव के रहने वाले वृद्ध वासुदेव उरांव को सांप ने काट लिया। वासुदेव उरांव अपने घर में सोए हुए थे। तभी उन्हें सांप ने काटा। इसके बाद उन्होंने घर वालों को इसके बारे में बताया। वासुदेव को तत्काल इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल लाया गया।जहां पर इलाज के दौरान वासुदेव की मौत हो गई। वहीं अन्य घटना में पेशरार थाना क्षेत्र के रोरद गांव निवासी जीरालाल उरांव की नौ वर्षीय पुत्री सोनी अपनी सहेलियों के साथ जंगल की तरफ घूमने गई थी।इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया।

नाव पलटने से 41 लोगों की मौत

अबुजा : नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य जामफारा में शनिवार को एक नाव के पलट जाने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वहीं 12 अन्य को रेस्क्यू कर्मियों ने बचा लिया। नाइजीरिया के संघीय प्रतिनिधि सभा में गुम्मी-बुक्कुयुम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय विधायक सुलेमान गुम्मी ने रविवार को बताया कि नाव में 50 से

अधिक यात्री और चालक दल सवार थे। उन्होंने कहा कि नाव जम्फारा के गुम्मी स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गुम्मी कस्बे के पास नदी में पलट गई। गुम्मी ने बताया कि यात्री किसान थे जो रोजाना नाव से पास के इलाके में अपने खेतों पर जाते थे। अधिकारियों ने सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोरों सहित अन्य कर्मचारियों को घटनास्थल पर तुरंत भेज दिया। कम से कम एक दर्जन लोगों को जीवित बचा लिया गया। जम्फारा राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख हसन दौरा ने स्थानीय मीडिया से एक इंटरव्यू में कहा कि इस घटना में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देश में नाव पलटने की दुर्घटनाएं अक्सर होती हैं। आमतौर पर इन घटनाओं के लिए ओवरलोडिंग, प्रतिकूल मौसम की स्थिति और परिचालन संबंधी त्रुटियों जैसे कारकों को जिम्मेदार बताया जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप पर फिर जानलेवा हमला गोल्फ खेलते वक्त चली गोलियां

वाशिंगटनः अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान ने कहा कि राजनेता के आसपास गोलियां चलाई गईं। अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने आसपास की गोलीबारी के बाद सुरक्षित हैं। इस समय और कोई जानकारी नहीं है। अमेरिकी कांग्रेस वूमन माजोरी टेलर ग्रीन ने एक्स पर इस जानकारी की पुष्टि करते हुए कहा कि श्री ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया गया है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बड़े बेटे डोनाल्ड जॉन ट्रंप जूनियर ने कहा कि श्री ट्रंप के गोल्फ कोर्स में गोलीबारी के स्थल के पास एक एके-47 राइफल मिली है। बेटे ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित हैं, जबकि संदिग्ध को कथित तौर पर पकड़ लिया गया है। जुलाई में पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक अभियान रैली में एक शूटर ने श्री ट्रम्प की हत्या का प्रयास किया था। बंदूकधारी ने श्री ट्रम्प के कान में गोली मार दी, जिससे एक दर्शक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारी और एजेन्सियां हत्या के प्रयास की जांच कर रही है।

फिर आतंकवाद फैलाना चाहते हैं नेहरू-गांधी व अब्दुल्ला परिवार

जम्मू- कश्मीर में बोले अमित शाह

जम्मूः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में एक रैली के दौरान कहा कि हमने आतंकवाद को उस स्तर तक दफनाने का संकल्प लिया है कि वह फिर न लौट पाए। अमित शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर अपने परिवार की सरकार बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे जम्मू कश्मीर में सत्ता में नहीं आ सकते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अनुच्छेद-370 इतिहास बन गया है, वापस नहीं आ सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंकवाद की ओर धकेलना चाहते हैं। शाह ने कहा कि हमने विभाजन के दिन देखें, 1990 में आतंकवाद के दिन देखें। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों... सभी ने कुर्बानियां दीं। उन्होंने कहा कि मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू-कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा। उन्होंने कहा कि 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे है, यहां आतंकवाद को फिर से मजबूत करने के नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादें किए हैं।

ईद पर कर्नाटक के मंगलुरु में तनाव

विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुआ बवाल

भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्लीः कर्नाटक के मंगलुरु में सोमवार को दो पूजा स्थलों पर पथराव की घटना सामने आने के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। गौरतलब है कि रविवार देर रात मंगलुरु के कटिपल्ला शहर में पथराव किया गया था, लेकिन त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति नियंत्रण में आ गई और क्षेत्र में किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि पूजा स्थल की खिड़कियों के शीशे टूट गये। विश्व हिंदू परिषद और

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया है। भारी पुलिस कर्मी तैनात किए गए है।

कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता एमसी सुधाकर ने कहा कि मंगलुरु हमेशा से एक हॉट स्पॉट रहा है। मंगलुरु में सांप्रदायिक मुद्दों के आधार पर ही राजनीति की जाती है। तो, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। क्योंकि हर छोटे मुद्दे पर आप देखते हैं कि आरएसएस से जुड़े किसी व्यक्ति ने या किसी और ने क्या ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि हम हर किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। हर धर्म में कुछ कुकर्मी लोग होंगे। ऐसे शरारती तत्व ही ये सब मुद्दे पैदा कर रहे हैं।

भाजपा के डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि कांग्रेस सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही है। वे समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निर्दोष लोग प्रभावित न हों और असली दोषियों पर मामला दर्ज किया जाए।' हम समाज के हर वर्ग से बात करेंगे। बीजेपी नेता नारायण गौड़ा ने कहा कि यह एक खुफिया विफलता थी। पुलिस से कहा गया कि वे कार्रवाई न करें और चीजों को होने दें। यह सरकार सोचती है कि अगर वे मुस्लिम समुदाय को खुश रखेंगे तो वे सत्ता में बने रहेंगे।

सुविचार

दुख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें।

भारत का बदलता परिदृश्य

इतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है। किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है।जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों-करोड़ लोगों ने सदियों तक आजादी की एक सुबह का इंतजार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आजादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आजाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं। लिहाजा, यही वह वक्त है, जब हम भविष्य के भारत का ताना-बाना बुनें। हालाँकि जब हम सावधानीपूर्वक इस ओर देखें कि देश क्या बन सकता है तो हमें इस तथ्यात्मक तस्वीर को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि भारत का एक गौरवशाली अतीत भी है, न सिर्फ आर्थिक समृद्धि के पैमाने पर बल्कि नैतिक मूल्यों के पैमाने पर भी। हमें भारतीय होने पर गर्व है और उन मूल्यों पर भी, जो भारत के साथ जुड़े हैं। एक पुरानी कहावत है कि भारत एक नया देश है, लेकिन एक प्राचीन सभ्यता है और इस सभ्यता ने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त परिवर्तन देखा है। प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर आज दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है। 15 अगस्त 1947 को अपने संदर्भ के ढांचे के रूप में लेते हुए, हम पाते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और मानव विकास जैसे कई क्षेत्र हैं जहां भारत ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। हालाँकि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों पर अभी भी ध्यान दिया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा, तो वे अपने पीछे एक टूटा हुआ, जरूरतमंद, अविकसित और आर्थिक रूप से अस्थिर देश छोड़ गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजना में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी। इसने क्रूळ और क्रूरउ जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का मार्ग प्रशस्त किया। स्वतंत्रता के केवल तीन वर्षों के बाद, 1950 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हुई। इन संस्थानों ने विदेशी संस्थानों की सहायता से भारत में अनुसंधान को बढ़ावा दिया। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के बराबर खड़ा है, वही जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जाता है जहां भारत पूरी दुनिया के लिए टीके का उत्पादन कर रहा है। वढककी सफलता दुनिया के लिए एक केस स्टडी भी है जिसमें 9.36 बिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। केवल 2022 की पहली तिमाही में 10.2 ट्रिलियन।

भारत को अपनी स्वतंत्रता के बाद कई मुद्दों का सामना करना पड़ा, जिनमें अशिक्षा, भ्रष्टाचार, गरीबी, लैंगिक भेदभाव, अस्पृश्यता, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता शामिल हैं। कई मुद्दों ने भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रमुख बाधाओं के रूप में काम किया है। 1947 में जब भारत ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, तो इसका सकल घरेलू उत्पाद मात्र 2.7 लाख करोड़ था, जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 3% था। 1965 में भारत में हरित क्रांति की शुरूआत हरित क्रांति के जनक एम. एस. स्वामीनाथन ने की थी। हरित क्रांति के दौरान, उच्च उपज वाले गेहूं और चावल के प्रकारों के साथ लगाए गए फसल क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। 1978-1979 तक, हरित क्रांति के कारण 131 मिलियन टन अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। भारत को तब दुनिया के शीर्ष कृषि उत्पादकों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी। कारखानों और पनबिजली संयंत्रों जैसी संबद्ध सुविधाओं के निर्माण से कृषि श्रमिकों के अलावा औद्योगिक श्रमिकों के लिए भी बड़ी संख्या में रोजगार सृजित हुए।

सांच को आंच नहीं

सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगे रहे आरोपों का सिलसिला जैसे थमने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि ये सब अभी आरोप ही हैं, जो साबित नहीं हुए हैं। इसके बावजूद इनसे संदेह का माहौल बन रहा है, जो ठीक नहीं है। भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है और यहां का शेयर बाजार भी दुनिया के शीर्ष मार्केट्स में शामिल है। बड़े पैमाने पर यहां विदेशी निवेशक पैसा लगाते आए हैं, जिसके समय के साथ और भी बढ़ने की आशा है। याद किया जा सकता है कि सेबी प्रमुख के पद पर माधबी पुरी बुच की नियुक्ति की खबर अपने साथ काफी पॉजिटिविटी लेकर आई थी। वह इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला तो थीं ही, पहली बार प्राइवेट सेक्टर के किसी फाइनैंस प्रफेशनल को यह पद दिया गया था। जाहिर है, उनसे उम्मीदों का स्तर भी काफी ऊंचा था। ऐसे में उनका कार्यकाल जिस तरह के विवादों में घिरता दिख रहा है, वह वाकई निराशाजनक है। जहां तक सवाल इस स्थिति को बदलने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का है तो उस पर राय बंटी हुई है। एक खेमा विरोधियों और आरोप लगाने वालों का है जिनकी मांग है कि माधबी पुरी बुच को तत्काल सेबी चीफ का पद छोड़ देना चाहिए। दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इस तरह पद छोड़ देने से विरोधियों के सामने घुटने टेक देने का संदेश जाएगा जो अच्छा नहीं है। लेकिन माधबी पुरी बुच की व्यक्तिगत छवि से ज्यादा बड़ा सवाल शेयर बाजार नियामक सेबी की साख और उसकी विश्वसनीयता का है। अगर यह मान भी लिया जाए कि माधबी पुरी बुच पर लगाए गए सारे आरोप गलत हैं और जैसा कि उनका दावा है, उन्होंने सेबी प्रमुख के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह पूरी सचाई और ईमानदारी से किया है तो यह बात स्थापित कैसे होगी? निष्पक्ष जांच ही इसका एकमात्र रास्ता है। मगर जांच की निष्पक्षता तब तक सुनिश्चित नहीं की जा सकती जब तक कि माधबी पुरी बुच खुद सेबी प्रमुख के पद पर बैठी हैं। समझना जरूरी है कि बाजार नियामक जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता जितनी ही जरूरी है उसकी निष्पक्ष छवि। इसलिए सेबी चीफ जैसे पद पर बैठे व्यक्ति को लेकर किसी विवाद की गुंजाइश न रहे तो बेहतर। इसके लिए बाजार के डगमगाने या लुढ़कने का इंतजार करना सही नहीं होगा। सीधी बात है, उनके ऊपर गंभीर आरोप लगाए गए हैं और उन्हें पद से अलग हटकर जांच का सामना करने का नैतिक साहस दिखाना चाहिए।

आरबीआई और बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

> भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का लाभांश दिया। यह एक साल पहले की राशि से दोगुने से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अतिरिक्त लाभ का आवंटन) के अनुसार अधिशेष या व्यय पर आय की अधिकता को सरकार को हस्तांतरित करता है।

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

साल 2013 में नरेन्द्र मोदी के देश की सत्ता संभालने से एक साल पहले मॉर्गन स्टेनली ने भारत को उभरती हुई पाँच कमजोर अर्थव्यवस्था में से एक के रूप में नामित किया था। इसे अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए विदेशी पूंजी पर निर्भरता और कई मामलों में महत्वपूर्ण चालू खाता घाटे के कारण नाजुक पाँच अर्थव्यवस्था के रूप में घोषित किया।

अधिशेष धन प्रदान करने की आरबीआई की नीति कैसे विकसित हुई : 1997 में आरबीआई के पूंजी ढांचे पर गौर करने की आवश्यकता थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आरबीआई को अपनी परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में कितना आरक्षित रखना चाहिए। वी सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। समिति ने अपनी परिसंपत्तियों का 12 फीसदी प्रस्तावित करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरबीआई ने निष्कर्षों को स्वीकार नहीं किया।

2004 में उषा थोरातजी के नेतृत्व में एक और समूह ने आरबीआई के पूंजी ढांचे की समीक्षा के लिए बैठक की। समूह ने लगभग 18 प्रतिशत की सिफारिश की, जिसे आरबीआई ने स्वीकार नहीं किया। 2013 में वाई.एच. मालेगाम समिति ने सिफारिश की कि अतिरिक्त भंडार सरकार को दिया जाना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया भर में सामान्य मानदंड कुल संपत्ति का 8 फीसदी है। 2008 में यूएस फेड ने वित्तीय संकट के दौरान अमेरिकी बैंकों की मदद करने के लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार आवंटित किया। इसलिए ऐसा कुछ भी नया नहीं है जिसे भारतीय सरकार अपने स्वार्थ के लिए अपने केंद्रीय बैंक से पूरा करवाना चाहती हो और हम सभी जानते हैं कि हमारे बैंकिंग क्षेत्र, विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों ने पिछले दशक में कैसा प्रदर्शन किया है।

जब बड़े पैमाने पर कर चोरी के कारण राजस्व संग्रह कम होता है और रोजगार सृजन और सामान्य विस्तार (5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य) के माध्यम से सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने की आवश्यकता होती है तो सरकार को धन की आवश्यकता होती है। आखिरकार, आरबीआई का पैसा भी लोगों का पैसा है। तो सरकार इसका उपयोग क्यों नहीं कर सकती? कई साल पहले, सरकार ने सभी बैंकों से कृषि क्षेत्र में ऋण देने के लक्ष्य को पूरा करने को कहा था और किसी भी कमी का भुगतान सरकार के माध्यम से राज्यों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए नाबार्ड को किया जाना था। इस निर्देश से कई गांवों को लाभ हुआ। प्रमुख अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर बिमल जालान समिति की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्र निर्माण के लिए आरबीआई द्वारा केंद्र सरकार को आरक्षित धन का एक हिस्सा हस्तांतरित करना उचित है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का लाभांश दिया। यह एक साल पहले की राशि से दोगुने से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अतिरिक्त लाभ का आवंटन) के अनुसार अधिशेष या व्यय पर आय की अधिकता को सरकार को हस्तांतरित करता है। अधिनियम की धारा 47 के अनुसार, केंद्र सरकार को खराब ऋण, मूल्यह्रास और अन्य खर्चों में कटौती के बाद शेष आय प्राप्त होगी। अधिकांश देशों में यही स्थिति है; अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ जापान, बैंक ऑफ इंग्लैंड और जर्मन बुंडेसबैंक के कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आय का भुगतान सरकार या राजकोष को किया जाना चाहिए। अधिशेष और लाभांश गणना बिमल जालान समिति द्वारा अनुशंसित आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) पर आधारित थी। समिति ने सिफारिश की कि आरबीआई अपनी बैलेंस शीट का 5.5 से 6.5 प्रतिशत का आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बनाए रखे।

बैंकों का सकल एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत से गिरकर सितंबर 2023 में 3 फीसदी हो गया, जबकि ऋण वृद्धि लगभग 15 फीसदी रही। वित्त वर्ष 24 में बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 में 2.2 लाख करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 23 में 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस वर्ष 1.4 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34 फीसदी अधिक है, वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 1.7 लाख रुपये रहा, जो पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ रुपये से 42 फीसदी अधिक है। एक दशक पहले, भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। रुपये की वैश्विक मौजूदगी बढ़ाने से इसके मूल्य को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, आरबीआई भविष्य में होने वाले निवेश को बेहतर तरीके से संभालने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने की अपनी क्षमताओं में सुधार कर रहा है।

2014 में अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण राजकोषीय और चालू खाता घाटे और दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति से ग्रस्त थी। अब, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, राजकोषीय घाटा नीचे की ओर जा रहा है और चालू खाता घाटा जीडीपी का मुश्किल से 1 फीसदी से अधिक है और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग ग्यारह महीने के आयात को कवर करता है। यह कमजोरी से स्थिरता और ताकत की यात्रा रही है। यहां दो बिंदुओं को उजागर करना आवश्यक है। सरकार के कोविड प्रबंधन और टीकाकरण रिकॉर्ड ने अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह, पिछले दो वर्षों में उचित कीमतों पर कच्चे तेल की आपूर्ति का प्रभावी प्रबंधन उल्लेखनीय है। मनुष्य अदृश्य की सराहना करने में असमर्थ हैं- गलतियाँ नहीं की गईं और जोखिमों से बचा गया, फिर भी प्रतितथ्य हमारे चारों ओर हैं। जैसा कि सरकार अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और वित्तीय बहिष्कार जैसे दीर्घकालिक मुद्दों को संबोधित करती है, आकांक्षाएं बढ़ती हैं और उम्मीदें ऊपर की ओर बढ़ती हैं। सरकार और आरबीआई के सक्रिय मुद्रास्फीति प्रबंधन ने मुद्रास्फीति में वृद्धि को काफी हद तक कम कर दिया है। दूसरे वैश्विक झटके, यूक्रेन की स्थिति के कारण वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में पहली बार पद संभाला था, उस समय भारतीय अर्थव्यवस्था विशेष रूप से उत्साहजनक नहीं थी। भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही थी। इसके परिणामस्वरूप लगातार दो वर्षों अर्थात 2012-13 और 2013-14 के लिए स्थिर कीमतों पर कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5 फीसदी से कम रही। खाद्य उत्पादों में डब्लूपीआय मुद्रास्फीति, जो 2013-14 में समाप्त होने वाले पाँच वर्षों में औसतन 12.2 फीसदी वार्षिक थी, गैर-खाद्य मुद्रास्फीति से उल्लेखनीय रूप से अधिक थी। पांच प्रतिशत से कम विकास को प्रभावित करने वाले तत्वों में से एक। यह सुझाव देने के लिए पर्याप्त से अधिक वास्तविक सबूत हैं कि यूपीए काल के दौरान बैंक ऋण की गुणवत्ता खराब हो गई थी, सरकार के अनुकूल कॉर्पोरेट्स को बड़े ऋण दिए गए थे, बिना ऐसे ऋणों की आवश्यकता या उधारकताओं की उन्हें चुकाने की क्षमता पर उचित परिश्रम किए। संक्षेप में, भारत की 'मिशन मोड' रणनीति, बढ़ती कठिनाइयों पर काबू पाने के लिए देश को वर्तमान और आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। आरबीआई की बढ़ती वैधता मुद्रास्फीति को कम करने से मुद्रास्फीति संबंधी उम्मीदें स्थिर होंगी, जिसके परिणामस्वरूप स्थिर ब्याज दर होगी। उद्यमों और जनता के लिए क्रमशः दीर्घकालिक निवेश और व्यय निर्णय लेने के लिए माहौल बनेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

निर्भयाओं' को निर्भय बनाने के प्रयास और सख्ती के प्रावधान

> कोलकता आरजी कर अस्पताल में रेप व हत्या की घटना के बाद जिस तरह देशव्यापी माहौल बना, उसके चलते पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है। सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है। सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सो अदालतें बनाई गई उसके बाद भी हालात में बदलाव क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पश्चिम बंगाल का आरजी कर प्रकरण भले आज उबाल ले रहा हो पर 2012 के निर्भया कांड के बाद हुई सख्ती के बावजूद ऐसी घटनाओं का बंद होना तो दूर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे। जैसे कठोर सजा प्रावधान भी बेअसर हो रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध वाले प्रकरणों का न्यायालयों में निस्तारण भी तेजी से हो रहा है। करीब 90 प्रतिशत तक प्रकरणों का न्यायालयों से निस्तारण किया जा रहा है। लेकिन महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ समय गुजरते ही देश में कहीं ना कहीं निर्भया जैसे नृशंस कांड हो रहे हैं जो देश को हिलाकर रख देते हैं।

कोलकता आरजी कर अस्पताल में रेप व हत्या की घटना के बाद जिस तरह देशव्यापी माहौल बना, उसके चलते पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है। सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है। सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किये गये, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पाक्सो अदालतें बनाई गई उसके बाद भी हालात में बदलाव क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं।

दिसंबर 2012 में निर्भया कांड को लेकर जिस तरह देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला उसके बाद 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई इसके बावजूद सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16-18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किये गये और 2019-20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सों कोर्टो के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह भय का वातावरण नहीं बना है। उज्जैन, अयोध्या और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित करा लिया हो पर तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी लोग राजनीतिक फायदा-नुकसान को देखकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी।

आंकड़ों में देखें तो निर्भया कांड के समय ऐसे 24915 मामले सामने आये थे तो साल 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आये। 2020 के कोरोना काल में अवश्य 28046 मामले आये अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामले आए। यानी 2012 के निर्भया कांड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप देश ही नहीं विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद ऐसे अपराधों में कमी नहीं आई। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृति के लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं।

साफ है कि कानून बनाने या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाना दूसरी बात। इसके लिए हमें हमारे मूल्यों और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सिखाना होगा। नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाएंगे, यह सोचना एक हद के बाद सही नहीं हो सकता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सिर्फ एक चट्टान को काटकर बना है मंदिर

अध्यात्म

हिमालय प्रदेश हरियाली और बर्फ के पहाड़ों से ढका बेहद खूबसूरत राज्य है। इस राज्य की खूबसूरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां पर कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनका हिंदू धर्म में काफी मान्यताएं हैं। अगर आप भी मंदिर से जुड़े इतिहास को जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आज हम आपको मसरूर रॉक कट टेंपल के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि यह रहस्यों से भरा हिमाचल का एकलौता मंदिर है। इस मंदिर की खासियत यह है कि इसको पहाड़ के एक पत्थर को तराश कर बनाया गया है। इस मंदिर को देखने के बाद आप सोच में पड़ जाएंगे कि पुराने समय में बिना टेक्नोलॉजी के इस मंदिर का निर्माण कैसे किया गया था। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की खासियत के बारे में. मसरूर रॉक कट टेंपल में दर्शन करने जाने के लिए आपको टिकट लेना होगा। आप चाहें तो ऑनलाइन टिकट भी ले सकते हैं या फिर यहां पहुंचने के बाद टिकट ले सकते है। इंडियन एडल्ट के लिए 20 रुपए टिकट है। समुद्र लेवल से लगभग 2535 फीट की हाइट पर यह मंदिर स्थित है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में किया गया था। वहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मंदिर को बनाने के लिए किसी मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। मसरूर रॉक कट टेंपल दिलचस्प होने के साथ बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के सामने एक बेहद सुंदर झील है, जो यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। आप यहां पर मछलियों को दाना डाल सकते हैं। वहीं मंदिर से कुछ दूरी पर एक सुंदर व्यू पॉइंट है। जहां से आप प्रकृति का बेहद शानदार नजारा देखने को मिलेगा। बता दें कि यह मंदिर आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अंदर आता है और इस मॉन्यूमेंट को टैग किया गया है। ऐसे में यहां आने के दौरान कूड़ा-कचरा न फैलाएं और न ही यहां की दीवारों को डैमेज करें। क्योंकि मंदिर में बनी चट्टान की दीवारें कहीं-कहीं डैमेज हुई हैं। साल 1905 में आए एक भयंकर भूकंप के कारण मंदिर की दीवारें डैमेज हो गई हैं। हालांकि भूकंप ने मंदिर को अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया था। आज भी इस मंदिर में भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां सुरक्षित हैं। इस मंदिर में आपको राम जी, लक्ष्मण जी और सीता जी की मूर्तियां देखने को मिलेगी।

पत्र

आखिर कब तक मिलेगा न्याय

2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद उभरे अभूतपूर्व जनअसंतोष का एक परिणाम कानूनों में बदलाव के रूप में भी सामने आया था, जिसके तहत रेप के लिए मौत की सजा तक के प्रावधान कर दिए गए थे। उसका काफी प्रचार भी हुआ था। बावजूद इस सबके, रेप के आंकड़ों में तो कमी नहीं ही आई, देश को सिहरा देने वाली कई बड़ी घटनाएं भी अंजाम लेती रहीं। दरअसल, रेपिस्टों के लिए मौत की सजा की मांग जनभावनाओं के तात्कालिक उभार को शांत करने में भले सहायक हो, एक्सपट्र्स पहले से कहते रहे हैं कि इससे अपराध को काबू करने में खास मदद नहीं मिलती। उलटे यह डर रहता है कि कहीं रेपिस्ट विक्टिम को मार ही न डाले क्योंकि उसे पता होता है कि रेप की सजा भी फांसी हो सकती है, लेकिन हत्या के बाद विक्टिम द्वारा पहचाने जाने की संभावना खत्म हो जाती है।

मीना कुमारी,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

गोपाल मैदान में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली में चंपाई सोरेन ने कहा

कांग्रेस ने कभी भी नहीं सोचा आदिवासियों का हित

मेट्रो रेज

रांची/ जमशेदपुरः पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी भी आदिवासियों के हित के बारे में नहीं सोचा । वे जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली में बोल रहे थे । उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी मूलवासी के सम्मान को कुचला है । संथाल में घुसपैठ बड़ा मुद्दा बन गया है । भाजपा ही झारखंड की अस्मिता को बचा सकती है । भाजपा में ही रहकर आदिवासियों के अस्तित्व को बचाया जा सकता है । झारखंड का विकास हो सकता है । इसलिए मैं भाजपा में शामिल हुआ हूं । राज्य के गठन में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने अग्रणी भूमिका निभाई ।

हेमंत सोरेन को अब इस्तीफा दे देना चाहिए: बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन को अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार, इस्तीफा दे देना चाहिये. इस सरकार को हटाने के लिए यहां परिवर्तन की बयार दिखाई देने लगी है । झारखंड में कमल खिलेगा और बीजेपी की सरकार बनेगी । यही इस सभा में दिखाई दे रहा है । पीएम मोदी का आदिवासी और दलित प्रेम किसी से छिपा नहीं है।

झारखंड जनता हेमंत सोरेन को दिला देगी सन्यास : बाबूलाल

परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने कहा कि पांच लाख लोगों को नौकरी नहीं देंगे तो हम राजनीति से सन्यास ले लेंगे । इस बार झारखंड की जनता हेमंत सोरेन को जरूरत सन्यास दिला देगी । हेमंत सोरेन को पांच साल का जवाब देना होगा । झारखंड में विकास का काम रूका हुआ है । ये लोग कमाने के लिए सत्ता में बैठे हैं । बाबू-पत्थर और जमीन की लूट हो रही है । 1932 के खतियान के साथ फजीर्वाड़ा कर आदिवासियों की जमीन को बेचा गया है । इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए । आप सचमुच में झारखंड में आदिवासियों को बचाना चाहते हैं, आदिवासियों की जमीन को बचाना चाहते, आदिवासियों की बेटी को बचाना चाहते हैं तो आप सर्वे कराईए, एनआरसी कराईए ताकि इस प्रदेश के आदिवासी को बचाया जा सके । भाजपा इस झारखंड की चिंता करती है । आदिवासियों की चिंता करती है ।

पूर्णिया में सांसद पप्पू यादव से मिले आदित्य यादव

मेट्रो रेज

साहिबगंज : साहिबगंज कांग्रेस के जिला महासचिव आदित्य यादव निजी काम से पूर्णिया जाने के क्रम में पूर्णिया लोकसभा के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से उनके आवास अर्जुन भवन में औपचारिक मुलाकात कर उन्हें बुके देकर सांसद बनने की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के दरमियान राजमहल विधानसभा चुनाव पर चर्चा किया।साथ ही साहिबगंज जिला कांग्रेस संगठन मजबूती पर भी चर्चा किया। वही आदित्य यादव ने पप्पू यादव को साहिबगंज आने का अनुरोध किया। वही पप्पू यादव ने जल्द से जल्द साहिबगंज आने की बात कही। मौके पर गांधी यादव,पप्पू यादव, मनीष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत लाभुकों को दिया गया स्वीकृति पत्र

साहिबगंज : राज्य सरकार के निदेर्शानुसार साहिबगंज जिले के सभी पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5153 लक्ष्य के विरुद्ध 1840 लाभुकों को स्वीकृति पत्र का वितरण साहिबगंज जिला के सभी पंचायत में किया गया साथ ही 832 लाभुकों को इस योजना अंतर्गत प्रथम किस्त का भुगतान किया गया। इस वर्ष पूर्ण हुए 642 प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत लाभुकों का गृह प्रवेश कार्यक्रम भी करवाया गया।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत साहेबगंज जिला के बरहेट प्रखण्ड में 990 लक्ष्य के विरुद्ध 374, बरहेट प्रखण्ड में 672 लक्ष्य के विरुद्ध 368, बोरियों प्रखण्ड के 779 के विरुद्ध 182, मंडरो प्रखण्ड के 725 लक्ष्य के विरुद्ध 160, पतना प्रखण्ड में 546 लक्ष्य के विरुद्ध 173, राजमहल प्रखण्ड में 310 लक्ष्य विरुद्ध 124, साहेबगंज सदर प्रखण्ड के 326 लक्ष्य के विरुद्ध 150, तालझाड़ी प्रखण्ड में 485 लक्ष्य के विरुद्ध 175 एवं उधवा प्रखण्ड के 310 लक्ष्य के विरुद्ध 124 लाभुकों को आज सभी प्रखण्डों में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित कर स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने बोरियो प्रखण्ड के बांझी संथाली पंचायत तथा साहिबगंज सदर प्रखण्ड के हाजीपुर पश्चिम पंचायत में लाभुकों को नूतन गृह प्रवेश कराया एवं 2024-25 में चयनित लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

खनन चेकपोस्ट का सीसीटीवी कैमरा बंद, वरीय अधिकारी अनजान

साहिबगंज/मंडरोः प्रखण्ड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र में अवैध परिवहन को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से दो अस्थाई चेकपोस्ट लगाया गया है। झारखंड बिहार सीमावर्ती मिजाचौकी और भगैया उक्त दोनों चेकपोस्ट पर तीन पाली में रूटिंग ड्यूटी पर प्रभारी मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी के साथ-साथ पुलिस के जवान को तैनात रखा जाता है। ताकि उक्त चेकपोस्ट के रास्ते अवैध पत्थर चिप्स लदा वाहनों का परिचालक नही किया जा सके। इसके अलावे खनन टास्क फोर्स का गठन किया गया है। ताकि क्षेत्र में किसी प्रकार का अवैध परिवहन का कार्य नहीं किया जा सके। वही बेहतर तरीके से मॉनिटरिंग के लिए लाखों रुपये का सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है। प्रशासन का तमाम प्रयास विफल साबित होता दिख रहा है ताजा उदाहरण मिजाचौकी रेलवे फाटक के रास्ते एवं भगैया चेकपोस्ट के रास्ते परिचालन होने पत्थर लदा छोटी-बड़ी वाहन प्रमाण है। भगैया चेकपोस्ट पर तीन सीसीटीवी कैमरा, दो हैलोजन लाइट लगाया गया है जिसमें दो सीसीटीवी कैमरा महिनों से खराब एवं कैमरा का तार टूटा पड़ा है। और उस सीसीटीवी कैमरे को देखने वाला कोई भी नहीं है। जिले के वरिय अधिकारी भी अनजान है उक्त सड़क के रास्ते प्रतिदिन जिम्मेदार अधिकारी वरीय अधिकारी भी गुजरते हैं। बावजूद बंद सीसीटीवी कैमरे पर किसी की नजर नहीं पड़ती है। लंबे समय से सीसीटीवी कैमरा बंद रहना या फिर खराब पड़ा रहना कई तरह का गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। मिर्जाचौकी के एक चाय दुकान पर कई सामाजिक कार्यकर्ताओं में खूब चर्चा हुई निवर्तमान डीसी के कार्यकाल में चेकपोस्ट पर लगाया गया सीसीटीवी कैमरा का फुटेज नियमित अवलोकन किया जाता था। आखिर सीसीटीवी कैमरा बंद है,तो फिर किस उदेश्य से लगाया गया है।

बिंदुधाम मंदिर में चोरी का मामला जांच में जुटी रांगा थाना पुलिस

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिंदूधाम मंदिर में चोरी का मामला प्रकाश में आया है,जिसकी जाँच रांगा थाना पुलिस कर रही है बिंदुधाम प्रबंध समिति द्वारा रांगा थाना पुलिस को पत्रांक 1/2024 जारी कर आवेदन प्रेषित की गई है आवेदनानुसार समिति ने बताया है। कि बिंदुधाम मंदिर में विगत वर्षों से दान से प्राप्त सोना चांदी एवं आभूषण गंगानन्द गिरी महाराज के पास संग्रहित है दिनांक 14.9.24 6:30 बजे शाम बिंदुधाम प्रबंध समिति की एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई जिसमें प्रस्ताव पारित किया गया की दिनांक 15 सितम्बर सुबह 7:00 बजे सभी के बीच सोना चांदी एवं आभूषणों को सूचीबद्ध किया जाएगा। तदोपरांत मां मंदिर में विचार उपरांत आभूषणों के उपयोग के बारे में सोचा जाएगा ।बैठक के बाद गंगा बाबा अपने आवास में चले गए तथा हम सभी लोग अपने-अपना घर चले गए ।बैठक के बाद ही तकरीबन 8:30 बजे रात्रि में मंदिर का गेट बंद होने के बाद गंगा नंदगिरी महाराज पुजारी चारदीवारी टपकर चोरी छिपे एक भारी भरकम झोला अपने करीबी अनुराग आनंद पिता-नकुल महतो कुशवाहा टोला थाना बड़हरवा को दिया। जिसे चौकीदार बाबूराम कर्मकार ने देख लिया तथा उसे जेवर जेवरात होने का शक हुआ। बाबूराम कर्मकार द्वारा पुजारी को पूछने पर कि वह कौन आदमी था तो पुजारी ने बताया कि वह मेरा अपना आदमी अनुराग आनंद है। घटना के बाद खबर पाकर हम सभी सदस्य मंदिर पहुंचे तथा सीसीटीवी कैमरा फुटेज की जाँच की जिसमें शक और संदेह हकीकत में बदलते हुए प्रतीत हुआ ।ज्ञात हो की इसके पूर्व भी अपने इस मंदिर में कई बार चोरी की घटनाएं घटित हो चुकी है,समिति ने उक्त जानकारी देते हुए थाना प्रभारी से मामले की जांच कर दोषी व्यक्तियों पर सख्त सख्त कार्रवाई करने की मांग की है,इधर रांगा थाना पुलिस मंदिर के पुजारी गंगा बाबा एवं अनुराग आनंद को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है ,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

दिसोम हरियाड़ पूजा संपन्न

दुमका/मेट्रो रेज : दिसोम हरियाड़ पूजा रविवार को दिसोम जाहेर थान दुमका में विशाल मरांडी (दिसोम मांझी) की अध्यक्षता में धूम धाम से मनाया गया। सर्व प्रथम सीताराम सोरेन,(नायकी बाबा) द्वारा जाहेर ऐरा, मरांग बुरू, परगना बाबा, के साथ साथ सभी ईष्ट देवता को मुर्गा की बलि देकर पूजा किया गया। मान्यता है कि धान रोपने के बाद फसल हरा भरा रहे, फसल में कीड़े न लगे एवं अच्छी बारिश हो। इसके लिए हरियाड़ पूजा किया जाता है। इस अवसर पर दिसोम जाहेर थान दुमका में साखवा का पौधा लगाया गया। मौके पर सुरेश चन्द्र सोरेन, टेकलाल मरांडी, बिनीलाल टुडू, मोहन टुडू, इमेल मरांडी, सुनील मरांडी,साहेब राम किस्कू,कैप्टन हेंब्रम, बसंत टुडू,जोसेफ टुडू, लायेंद मुर्मू, रामप्रसाद हंसदा, अमरेंद्र हेंब्रम व अन्य उपस्थिति थे।

मुफस्सिल थाना परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह

मेट्रो रेज

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विदाई सह सम्मान समारोह में निवर्तमान थाना प्रभारी शशि सिंह को एवं नए थाना प्रभारी मदन कुमार ने शॉल व बुके देकर सम्मानित किया। बारी- बारी से उपस्थित सभी लोगों ने पुष्प गुच्छे देकर सम्मानित किया। इस मौके पर निवर्तमान थाना प्रभारी शशि सिंह ने अपने कार्यकाल के बारे में भी बताया।जबकि नए थाना प्रभारी मदन कुमार ने कहा कि मेरा कार्य करने का तरीका थोड़ा अलग है

।अपराधी को शारीरिक दंड देना हम उचित समझते ताकि अपराधी दोबारा अपराध करने के बारे में सोचेगा नहीं क्षेत्र के सभी नागरिकों का सहयोग पूर्व की भांति मिलता रहे ताकि थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।वही समाजसेवी मनोज यादव ने पूर्व थाना प्रभारी की कार्यशैली को खूब सराहा कहा कि पिछले छः महीने से क्षेत्र में शांति पूर्ण वातावरण बना रहा। लोगो ने ये भी कहा की पूर्व थाना प्रभारी की जांच करने की तौर तरिका लोगो को भाया अपने छः महीने की कार्यकाल में किसी निर्दोष को सजा नहीं दिए दोषियों पर कार्रवाई हुई हैं। मौके पर सदर प्रमुख बीना देवी,भाजपा नेता मनोज यादव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष काजू मल्लिक, मोहम्मद सिद्दीकी, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महासचिव मोहम्मद मोफिज आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जाति जनगणना कराकर जनसंख्या के आधार पर आरक्षण दिया जाये : वरुण यादव

मेट्रो रेज

दुमका : जिले के रामगढ़ प्रखंड के अंतर्गत हाईस्कूल मैदान परिसर में रविवार को झारखंड पिछड़ा मोर्चा के बैनर तले झारखंड पिछड़ा मोर्चा के संयोजक सुधीर कुमार मंडल की अध्यक्षता में प्रखंड संयोजक मंडली का गठन हेतु बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से झारखंड पिछड़ा मोर्चा के नेता राधेश्याम वर्मा, वरुण यादव, प्रेम केशरी, भीम प्रसाद मंडल, इंद्रकांत यादव, मंगल मंडल, संदीप कुमार जय बमबम, संजय जायसवाल, छोटेलाल मंडल आदि उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए पिछड़ा नेता राधेश्याम वर्मा ने कहा कि झारखंड में पिछड़ों को सभी राजनीतिक दलों ने ठगने का काम किया इन 24 वर्षों में

झारखंड राज्य में बारी -बारी से एनडीए, यूपीए ने सरकार बनायी परंतु पिछड़ा वर्ग का किसी भी राजनैतिक दल ने सुधि तक नहीं ली जिसका कारण 7 जिला रोस्टर अभी तक शून्य हैं। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी की सरकार ने पिछड़ों का आरक्षण छिनने का काम किया और हेमंत सोरेन सरकार ने भी घोषणा किया था कि सरकार बनते ही पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा परंतु स्थिति जस की तस बनी रही। आर्थिक आधार पर उच्च वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल रहा है परंतु पिछड़ा बेहाल हैं और पिछड़ो का अस्मिता दिन व दिन मिटती जा रही है। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए पिछड़ा नेता वरूण यादव ने कहा कि अबिलंब झारखंड राज्य में जाति जनगणना कराकर जनसंख्या के आधार पर समुचित आरक्षण दिये जाने और पंचायत को ईकाई मानकर अनुसुचित क्षेत्र का निर्धारण कर पिछड़े जातियों का मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद् के अध्यक्ष पदों पर चुनाव लड़ने की अधिकार सुनिश्चित करने तक की लड़ाई सदन से संसद तक किया जायगा। कार्यक्रम में जिसकी जितनी संख्या भारी, उनकी उतनी भागिदारी, वोट हमारे राज तुम्हारा नही चलेगा नहीं चलेगा, जैसे नारा गूंजता रहा। बैठक के पश्चात 51 सदस्यीय रामगढ़ संयोजक मंडली का चयन किया गया जिसमें उमेश मंडल, सदानंद बाबा, सूर्यनारायण पंडित, नंदकिशोर वैध, गौतम मांझी, प्रकाश पंडित, मोतीलाल राय, कन्हाई मंडल, उपेन्द्र मंडल आदि को शामिल किया गया। इस मौके पर राजकिशोर भगत, अर्जुन मंडल, रामरेख राय, आनंदी राउत, सत्यनारायण राय, मोहन राउत, कुलदीप, राजेश मंडल, राहुल कुमार, उमेश मंडल, रविन्द्र मंडल, अरूण मंडल, सुजीत राउत, जंक्शन मंडल, निशिकांत मंडल, रामचंद्र पंडित, सहदेव मंडल, उपेंद्र मंडल, सुनील कुमार, कन्हाई मंडल, नीरज मंडल, फागु मंडल, भुनेश्वर मांझी, अर्जुन मांझी, ताराचंद मंडल, खगेस, मुनि, गणेश, दुर्रेन्दर, मनोज मंडल, शिव प्रसाद राय, गिरधर मंडल, उमेश यादव, अमित मंडल व अन्य मौजूद थे।

गिरिडीह के वनियाडीह कोलियरी क्षेत्र में भू-धंसान

गिरिडीह। कोल इंडिया लिमिटेड (सीसीएल) की बनियाडीह कोलियरी क्षेत्र में भू-धंसान की घटना आए दिन हो रही है। ताजा मामला रविवार का है। बताया गया कि कबरीबाद खदान के मुख्य सड़क के किनारे भू-धंसान की घटना हुई है। पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण जमीन धंसने के बाद वहा बड़ा सा गोफ बन गया है। ग्रामीणों ने कहा कि रविवार सुबह ही तेज आवाज के साथ भू-धंसान की घटना हुई। कुछ दूरी तक जमीन में दरार भी आ गई है। बताया गया कि जिस जगह जमीन धंसी है, उससे कुछ दूरी पर वर्षों से कोयला का अवैध खनन अनवरत जारी है। कोयला माफिया अंधाधुंध तरीके से इस इलाके में बेखौफ अवैध कोयले की कटाई करते रहे हैं। हालांकि, सीसीएल द्वारा समय-समय पर डोजरिंग अभियान चलाया जाता है लेकिन अभियान बंद होते ही पुनः कोयले की तस्करी का धंधा शुरू हो जाता था।

अमित शाह व हिमंता बिस्वा सरमा की यात्रा को लेकर पतना में भाजपा की बैठक

मेट्रो रेज

साहिबगंज/पतना : प्रखण्ड अंतर्गत भाजपा पतना प्रखण्ड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल के नेतृत्व में भाजपा इकाई का एक महत्वपूर्ण बैठक पतना प्रखण्ड अन्तर्गत बड़ा दिग्घी स्थित आवासीय कार्यालय में बैठक आहूत की गई ।उक्त बैठक में मुख्य रूप से 20 सितम्बर को भोगनाडीह में भारत के गृह मंत्री अमित शाह जी का आगमन और 22 सितम्बर को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं भाजपा नेता चंपई सोरेन का बरहेट आगमन होना सुनिश्चित किया गया है,साथ ही 22 सितम्बर को परिवर्तन रैली का रथ में आसाम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमार रहेंगे जो की उधवा की ओर से पतना प्रखण्ड होते हुए सड़क मार्ग से बरहेट

कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। कार्यक्रम को देखते हुए प्रखंड अध्यक्ष कुणाल मंडल ने कार्यकताओं को कहा पतना प्रखण्ड मंडल ने निर्णय लिया है की परिवर्तन रैली का रथ को शमार्पुर मोड़, बड़ा दिग्घी, पतना चौक,रांगा और इमलीगछ में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत करेगी और 500 से ज्यादा मोटर साइकिल में कार्यकर्ता कटहल बाड़ी से रथ के साथ साथ चलेंगे,बैठक में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में यात्रा को लेकर विचार विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि बरहेट विधान सभा प्रभारी कुश्मकर तिवारी ने कहा कि पतना प्रखंड में जहाँ जहाँ से जिस जिस गांव और बाजार से परिवर्तन रैली का रथ गुजरे उस सभी गांव के लोगों को अनुरोध करके आम जानताओं द्वारा फूल के पंखुड़ी और भाजपा झांडा लहराते हुए स्वागत करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से प्रखण्ड के पूर्व अध्यक्ष अजीत साहा, ब्रिजमोहन भगत ,एवं पंकज ठाकुर ,एसटीमोर्चा जिला अध्यक्ष चौकीदार हंसदा , प्रखण्ड महामंत्री मिथुन पंडित , कैलाश सहा , जिला परिषद मदन हंसदा , उपाध्यक्ष अजय बागती, राहुल राय ,मंत्री दिलीप रमानी , निताई सहा,ठाकुर हेंब्रम , महिला अध्यक्ष रागिनी देवी , रोहित रजक,जितेंद्र तुरी,दुर्गा टुडू,नंदू सहा,जगन मुर्मू, कोसायलिया देवी,संजीव सहा, तोरोनी मंडल, मनोज सहा , चंद्रिका भगत, प्रधान सोरेन, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आदित्य रॉय कपूर संग ब्रेकअप पर अनन्या पांडे ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इस समय अपनी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के कारण चर्चा में हैं। एक्ट्रेस अनन्या एक्टिंग के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। कुछ महीने पहले एक्ट्रेस अनन्या पांडे का आदित्य रॉय कपूर से ब्रेकअप होने की खबर आई थी। अनंत अंबानी की शादी के बाद उनका नाम हार्दिक पंड्या के साथ भी जुड़ा, लेकिन अब एक्ट्रेस का नाम मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी डेटिंग लाइफ पर कमेंट किया है। अनन्या पांडे ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने आदित्य रॉय से ब्रेकअप क्यों किया। अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ब्रेकअप से पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। जब से अनन्या और आदित्य के रिश्ते की खबरें सामने आईं, फैंस हैरान रह गए। कुछ समय बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि इसकी वजह तो समझ नहीं आई लेकिन इस जोड़ी के फैंस नाराज हो गए। अब अनन्या पांडे ने अपने ब्रेकअप की वजह का खुलासा किया है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। वहां उनसे पूछा गया कि क्या इस वक्त उनकी जिंदगी में कोई खास है? इस सवाल का जवाब देते हुए अनन्या ने कहा, 'मुझे प्यार के बारे में राज रखना पसंद है, क्योंकि मुझे प्यार करना पसंद है। मैं किसी डेटिंग ऐप पर नहीं हूं। मैं वास्तविक जीवन में मिलना पसंद करुंगी। मुझे एक प्रेम कहानी चाहिए। मैं चाहती हूं कि मेरा साथी सम्मानजनक और ईमानदार हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके पार्टनर के पास ये चीजें नहीं हैं तो उनका रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा और फिर टूट जाएगा।

सामने आई आदित्य रॉय कपूर से ब्रेकअप की वजह

अनन्या पांडे का रिएक्शन सुनने के बाद कि वह अपने पार्टनर में क्या खूबियां चाहती हैं, फैंस अब इसे उनके और आदित्य रॉय कपूर के ब्रेकअप से जोड़ रहे हैं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने ये भी कहा कि अगर पार्टनर में ये गुण नहीं हैं तो ब्रेकअप जरूर होगा। तो माना जा रहा है कि शायद इसी वजह से अनन्या ने आदित्य रॉय से ब्रेकअप कर लिया है। अनन्या के इस बयान के बाद ऐसी चर्चा होने लगी है कि वह अपने पार्टनर में जो गुण चाहती थीं, वह आदित्य में नहीं हैं और कहा जा रहा है कि यही उनके ब्रेकअप की वजह है। अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान या घोषणा नहीं की है। हालांकि, अनन्या पांडे ने 'कॉफी विद करण' शो में हिंट दिया था कि वह आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। इसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें भी सामने आने लगीं, लेकिन दोनों ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है।

अपनी बेटी की परवरिश खुद करेंगी दीपिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के घर इस वक्त खुशियों का माहौल है। दीपिका ने 8 सितंबर को एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद दीपवीर को फैन्स और स्टार्स ने खूब बधाइयां दीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस को अभी अस्पताल से छुट्टी नहीं मिली है। फैंस दीपिका की नन्हीं परी की एक झलक पाने के लिए बेताब हो रहे हैं। हालांकि इसके लिए फैंस को अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। कहा जा रहा है कि दीपिका और रणवीर जल्द ही अपने बच्चे की फोटो शेयर नहीं करेंगे। आजकल देखा जाता है कि सितारे अपने बच्चों की देखभाल के लिए लाखों रुपये की सैलरी पर नैनी रखते हैं। करीना कपूर खान से लेकर ऐसे कई सितारे हैं, जिनके बच्चों की देखभाल आया करती हैं। लेकिन, दीपिका पादुकोण ऐसा नहीं करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ऐश्वर्या राय की तरह ही अपनी बेटी का ख्याल खुद रखेंगी। जैसे ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या की देखभाल बिना नैनी की मदद के खुद करती हैं, दीपिका भी उसी अनुसरण करेंगी। इन मीडिया रिपोर्ट्स के दावों पर यकीन किया जाए तो अटकलें ये भी लगाई जा रही हैं कि दीपिका अपनी बेटी की परवरिश के लिए एक्टिंग से ब्रेक लेंगी। रणबीर कपूर-आलिया भट्ट और अनुष्का शर्मा-विराट कोहली की तरह दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह भी अपनी बेटी की खातिर 'नो-फोटो पॉलिसी' अपना सकते हैं। वे अपनी बेटी को यथासंभव लंबे समय तक मीडिया से दूर रखेंगे और सही समय आने पर दुनिया को उसकी एक झलक दिखाएंगे। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आई थीं। दीपिका ने प्रेग्नेंट रहते हुए ही फिल्म की शूटिंग पूरी की। तो वहीं अब वह दीपिका की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, अजय देवगन, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। 'सिंघम अगेन' के अलावा रणवीर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे।

कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं अभिनेता अक्षय कुमार : चित्रांगदा सिंह

देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद एक बार फिर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। हाउसफुल 5 की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने बताया, अक्षय बेहद ही प्रतिभाशाली कलाकार हैं, इसके साथ ही वह कॉमेडी के सच्चे मास्टर भी हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं, और उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।खेल खेल में अक्षय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन?होंने कहा, फिल्म खेल खेल में हमारे कैमियो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली, और मैं हाउसफुल 5 में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। फिल्म का पहला पार्ट 2010 में रिलीज हुआ था। इसमें अक्षय, रितेश देशमुख, अर्जुन रामपाल, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और दिवंगत स्टार जिया खान ने भूमिका निभाई थी।वहीं दो साल बाद फिल?म का दूसरा पार्ट रिलीज किया गया। हाउसफुल का एक स्टैंडअलोन सीक्वल और 1998 की मलयालम फिल्म मट्टुपेटी मचान का रीमेक है। इसमें ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, असिन, जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, ज?ीन खान, चंकी पांडे, शाजान पद्मसी और बोमन ईरानी जैसे नाम शामिल थे। पहले दो भागों का निर्देशन साजिद खान ने किया था।तीसरी और चौथी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। वहीं पांचवीं फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। हाउसफुल 5 में फरदीन खान, पूजा हेगड़े और रितेश भी हैं।अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को पिछली बार 2023 में गैसलाइट में देखा गया था। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान भी हैं।

टेबल टेनिस : सन यिंगशा, लिन शिदोंग ने जीता डब्ल्यूटीटी चैंपियंस मकाऊ का खिताब

एजेंसी

मकाऊ। चीन की सुन यिंगशा और लिन शिदोंग ने रविवार को विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चैंपियंस मकाऊ 2024 में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में खिताब जीता। टेबल टेनिस प्रशंसकों के बीच 'शाशा' के रूप में भी जानी जाने वाली सुन ने हमवतन वांग यिदी के खिलाफ 4-2 से जीत हासिल की, उन्होंने इंचियोन और चोंगकिंग में विजयी होने के बाद 2024 की अपनी तीसरी डब्ल्यूटीटी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। यह सुन का पांचवां डब्ल्यूटीटी चैंपियंस खिताब भी था। सुन ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अगले ओलंपिक चक्र के लिए यह एक शानदार शुरूआत थी, उन्होंने कहा कि प्रत्येक मैच के साथ उनके फॉर्म में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, 'अगले चार वर्षों में कई बदलाव और प्रतिस्पर्धा होगी, लेकिन मैं पहली चैंपियनशिप जीतकर बहुत खुश हूं, जिसने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया है।' वहीं, लिन ने जर्मनी के किउ डांग को 4-0 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीटी चैम्पियनशिप खिताब जीता। मैच के बाद, 19 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रेस को बताया कि उनका प्रदर्शन उनकी उम्मीदों से बढ़कर था। शनिवार को जापान की मिवा हरिमोटो पर 4-2 से जीत के साथ सन ने फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि लिन ने सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी वांग चुकिन को 4-1 से हराया था। सन और लिन ने बताया कि वे आगामी चाइना स्मैश 2024 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो 26 सितंबर से 6 अक्टूबर तक बीजिंग में आयोजित किया जाएगा।

फुटबॉल मैच रद्द होने के बाद एम्स्टर्डम में हुए दंगों में आठ अजाक्स प्रशंसक गिरफ्तार

एजेंसी

द हेग। पुलिस हड़ताल के कारण अजाक्स और एफसी उट्रेच के बीच इरेडिविसी फुटबॉल टूर्नामेंट का मैच रद्द होने से भड़के दंगों के बाद डच पुलिस ने रविवार को एम्स्टर्डम में आठ अजाक्स प्रशंसकों को गिरफ्तार किया है। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रशंसक शहर के केंद्र में एकत्र हुए, जिससे पुलिस मुख्यालय को नुकसान पहुंचा और पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की गई। भीड़ द्वारा अधिकारियों के साथ टकराव जारी रखने के बाद दंगा पुलिस को तैनात किया गया। दंगाई सबसे पहले सेंट्रल एम्सटर्डम के एक सार्वजनिक चौराहे लीडसेप्लेन में पुलिस की हड़ताल का विरोध करने के लिए एकत्र हुए थे, जिसके कारण अजाक्स को लगातार दूसरे रविवार को लीग मैच से चूकना पड़ा। विरोध प्रदर्शन बढ़ता गया, जिसके परिणामस्वरूप इलाके में ट्रामों को रोक दिया गया और खिड़कियों को तोड़ दिया गया। अजाक्स बनाम एफसी उट्रेच मैच को रद्द कर दिया गया क्योंकि सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई पुलिस उपलब्ध नहीं थी, पुलिस अधिकारी समय से पहले सेवानिवृत्ति लाभों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और हड़ताल पर हैं। दो हफ़्ते पहले, रॉटरडैम में फेयेनोर्ड बनाम अजाक्स नामक एक और ऐरेडिविसी मैच भी चल रही पुलिस हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

नेहा मलिक ने बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज, हॉटनेस देखकर बेकाबू हुए फैंस

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहत हैं। उनका सिजलिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा मलिक ने नियॉन कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही है। बालों को कर्ली स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी एल्बम सॉन्गस में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।नेहा मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड के कप्तान होंगे हैरी ब्रूक

एजेंसी

लंदन। हैरी ब्रूक अपने करियर में पहली बार इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है। जोस बटलर के पांच मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद ब्रूक को कप्तान बनाया गया है। बटलर, जिन्हें टी20आई के लिए भी नहीं चुना गया था, अपनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं जो उन्हें पहले लगी थी। बटलर की चोट ने लियाम लिविंगस्टोन के लिए भी वनडे टीम में वापसी के दरवाजे खोल दिए हैं, जिन्हें पहले नजरअंदाज किया गया था। इस तेजतर्रार ऑलराउंडर को मौजूदा टी20आई सीरीज में अब तक पांच विकेट चटकाने और दूसरे टी20आई में सिर्फ 47 गेंदों पर 87 रन बनाने का इनाम मिला है। बटलर, जो जुलाई के अंत में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद से नहीं खेले हैं, अब नवंबर में कैरिबियन दौरे के लिए टीम में वापसी का लक्ष्य रखेंगे। ब्रूक, जिन्होंने 2018 में अंडर-19 विश्व कप में इंग्लैंड की कप्तानी की थी, हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ओली पोप के डिप्टी थे, जहां बेन स्टोक्स अनुपस्थित थे। ईसीबी ने यह भी पुष्टि की है कि युवा तेज गेंदबाज जोश हल, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, को क्वाड चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। वनडे सीरीज 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया वनडे के लिए इंग्लैंड की टीमः हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

ला लीगा: रियल मैड्रिड के ब्राहिम डियाज कमर की चोट के कारण तीन महीने के लिए बाहर

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड अपने आक्रामक मिडफील्डर ब्राहिम डियाज के बिना लगभग तीन महीने तक खेलेगा, क्योंकि शनिवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ 2-0 की जीत में उन्हें कमर में चोट लग गई थी। क्लब की वेबसाइट पर बताया गया, 'रियल मैड्रिड के मेडिकल विभाग द्वारा हमारे ब्राहिम डियाज पर किए गए परीक्षणों के बाद, खिलाड़ी को उनके दाहिने पैर की एबडक्टर लॉन्गस मांसपेशी में चोट का पता चला है। उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी, उन्हें ठीक होने में लगभग तीन महीने लगेंगे।'

मोरक्को के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने जूड बेलिंगहैम और ऑरेलियन टचौमेनी की चोटों के कारण रियल सोसिएदाद के खिलाफ मुशकिल शुरूआत की थी, लेकिन उनके दाहिने कमर में दर्द को नोटिस करने के बाद सिर्फ 24 मिनट में रॉड्रिगो को उनकी जगह लेना पड़ा। रियल मैड्रिड के लिए अच्छी खबर यह है कि बेलिंगहैम और टचौमेनी दोनों के फिट होने की संभावना है जब रियल मैड्रिड मंगलवार रात को स्टटगार्ट के खिलाफ अपने चैंपियंस लीग अभियान की शुरूआत करेगा। डेविड अलाबा, एडुआर्डो कैमाविंगा और डेनी सेबालोस मंगलवार को नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वे अपनी-अपनी चोटों से उबर रहे हैं।

इससे पहले शनिवार को रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद पर रीले एरिना में 2-1 की कड़ी जीत के साथ ला लीगा सीजन में अपनी अपराजित शुरूआत जारी रखी, जिसमें किलियन एमबाप्पे ने एक बार फिर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस गर्मी में मैड्रिड में शामिल हुए फ्रांसीसी फॉरवर्ड ने दो मैचों में अपना तीसरा गोल किया, दूसरे हाफ में देर से पेनल्टी को गोल में बदलकर लॉस ब्लैंकोस के लिए सभी तीन अंक हासिल किए।

उम्मीद है, मैंने साबित कर दिया है कि ऊपरी क्रम मेरे लिए बेहतरः लियाम लिविंगस्टोन

मैनचेस्टर,एजेंसी । इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को उम्मीद है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20 आई श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद खुद को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में साबित कर दिया है जो ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द होने पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही। लिविंगस्टोन को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इंग्लैंड ने पिछले तीन टी20 विश्व कप में लिविंगस्टोन को फिनिशर के तौर पर इस्तेमाल किया है। लेकिन 31 वर्षीय इस खिलाड़ी ने शीर्ष पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई। स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से लिविंगस्टोन ने कहा, 'मैंने थोड़ा और शामिल होने का आनंद लिया, कुछ लड़कों के दूर होने के कारण बल्ले और गेंद दोनों से मौका मिला, इसलिए मैं अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं।' उन्होंने श्रृंखला का समापन सबसे अधिक रन बनाने वाले और संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी के रूप में किया। अपने प्रभावशाली स्ट्रोक प्ले पर भरोसा करते हुए, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 62.00 की औसत से 124 रन बनाए। अपने ऑफ ब्रेक के साथ, उन्होंने मध्य ओवरों के दौरान प्रभाव डाला और 7.60 की औसत से पाँच विकेट लिए। लिविंगस्टोन के अलावा ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट और सीन एबॉट ने भी दो टी20आई में पाँच-पाँच विकेट लिये। बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद, लिविंगस्टोन, जो अपनी नई भूमिका का आनंद ले रहे हैं, इंग्लैंड की हार्ड-हिटिंग टी20आई सेटअप में खुद को उच्च बल्लेबाजी करने में सक्षम साबित करने के बारे में आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अलग माहौल रहा है, और मैंने वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लिया है। मैं खेल में जितना हो सके उतना शामिल होने की कोशिश करना चाहता हूँ। मैं हमेशा निचले क्रम में ऐसा करने में सक्षम नहीं रहा हूँ। मैंने अपनी पूरी क्षमता से ऐसा करने की कोशिश की है।' लिविंगस्टोन ने कहा, 'मुझे जहां भी बल्लेबाजी करने के लिए कहा जाएगा, मैं वहां बल्लेबाजी करूंगा। मैं जब तक संभव हो इंग्लैंड के लिए खेलना चाहता हूं, लेकिन उम्मीद है कि मैंने साबित कर दिया है कि मेरे लिए ऊपरी क्रम बेहतर है।' टी20 सीरीज के बराबरी पर समाप्त होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भिड़ेंगे, जो गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

मोबिल ने 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024' के साथ नाइट स्ट्रीट रेस की मेजबानी की

रांची/मेट्रो रेज: ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स में लीडर मोबिल ने 31 अगस्त और 1 सितंबर को चेन्नई फॉर्मूला रेसिंग सर्किट में 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024' के दौरान चेन्नई में भारत की पहली नाइट स्ट्रीट रेस के लिए रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की। यह ऐतिहासिक आयोजन मोबिल के इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के साथ जुड़ने का तीसरा वर्ष था। यह फेस्टिवल भारत में गति, कौशल, प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन का शानदार संयोजन है । इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 चैंपियनशिप दोनों के लिए आधिकारिक लुब्रिकेंट पार्टनर के रूप में, मोबिल ने 'पर्फोमन्स बाय मोबिल 1 ' सूत्र पर फोकस के साथ भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दशार्या है । आरपीपीएल द्वारा आयोजित इस महोत्सव में नवंबर 2024 तक पूरे देश में पांच रोमांचक दौर होंगे। इस कार्यक्रम में भारत में मोबिल 1 के 50 साल के शानदार सफर का जश्न भी मनाया गया। इस अवसर पर एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विपिन राणा ने कहा कि हम इंडिया रेसिंग वीक का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो न केवल वैश्विक मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने के लिए हमारे समर्पण को प्रदर्शित करता है बल्कि भारत में रेसिंग के भविष्य को भी गति देता है। पिछले तीन वर्षों में हमने मोबिल उत्पादों से रेसर्स और रेसिंग से जुड़े लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हे सशक्त बनाया है, जिससे उन्हें अपनी क्षमता को उजागर करने में बड़ी मदद मिली है।

सैमसंग गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा अब सिर्फ 1,09,999 रुपये में उपलब्ध

रांची/मेट्रो रेज: सैमसंग ने स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा की नई कीमतों की घोषणा की है। गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा अब सीमित समय के ऑफर के तहत 12 सितंबर 2024 से सिर्फ 1,09,999 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि इसकी असली कीमत 1,29,999 रुपये थी। इस खास कीमत में 8000 रुपये का इंस्टेंट कैशबैक और 12,000 रुपये का अपग्रेड बोनस शामिल है। इसके अलावा, ग्राहक 12,000 रुपये का बैंक कैशबैक भी पा सकते हैं और 24 महीने की बिना ब्याज वाली ईएमआई का विकल्प भी चुन सकते हैं। गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा ने मोबाइल तकनीक के नए युग में कदम रखा है, जिससे ग्राहकों को गैलेक्सी अकके साथ बहुत कुछ करने की सुविधा मिलती है। इस फोन ने बातचीत को एक नए तरीके से पेश किया है। अब फोन कॉल्स के दौरान लाइव अनुवाद किया जा सकता है, जिसमें दोनों तरफ की आवाज और टेक्स्ट का रियल-टाइम ट्रांसलेशन होता है। इंटरप्रेटर फीचर के जरिए, बातचीत को स्प्लिट-स्क्रीन पर तुरंत अनुवाद किया जा सकता है, और ये फीचर मैसेजेस और दूसरे ऐप्स पर बिना इंटरनेट के भी काम करता है। चैट असिस्ट फीचर, बातचीत के दौरान सही और समान स्वर बनाए रखने में मदद करता है। सैमसंग कीबोर्ड अब हिंदी समेत 13 भाषाओं में रियल-टाइम मैसेज ट्रांसलेट कर सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,626.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 114.30 अंक यानी 0.65 प्रतिशत उछल कर 17,683.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 41,407.68 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,273.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,465.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 181.01 अंक यानी 0.97 प्रतिशत उछल कर 18,699.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जापान, कोरिया, इंडोनेशिया और चीन के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से आज निक्केई इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। आज के कारोबार में फिलहाल गिफ्ट निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,461.50 में अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,808.84 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 1,432.16 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत टूट कर 3,547.80 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,323.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

माकपा नेता ने टाला के पूर्व ओसी का किया समर्थन, बाद में दबाव में हटाया पोस्ट

कोलकाता : कोलकाता की माकपा की एकमात्र पार्षद नंदिता राय ने टाला थाने के पूर्व ओसी, अभिजीत मंडल, का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इससे पार्टी के अंदर ही विवाद खड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि माकपा के राज्य नेतृत्व को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा और नंदिता को अपनी टिप्पणी हटाने के निर्देश दिए गए। यह घटना तब शुरू हुई जब एक पुलिस अधिकारी, विश्वक मुखर्जी, ने अपने फेसबुक पोस्ट में अभिजीत मंडल के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने अपनी डीपी काली करते हुए लिखा कि पुलिस की गिरफ्तारी गलत है और समर्थन जताने के लिए आज के लिए डीपी काली करें। इस पोस्ट पर नंदिता ने टिप्पणी की, श्शर्मनाक! जिस तरह से अभिजीत दा को निशाना बनाया गया है, वह निंदनीय है।ः इसके बाद, विश्वक ने जवाब दिया,'बिल्कुल दीदी, हम उनके साथ हैं और उम्मीद है कि आप जैसे अच्छे लोग भी उनके साथ खड़े रहेंगे।ः नंदिता ने फिर लिखा, श्जरूर। लोग अब अन्याय के खिलाफ बोलना भूल गए हैं, भले ही वे खुद हजारों गलतियां कर रहे हों। यह टिप्पणी माकपा के आंतरिक समूहों में तेजी से फैल गई और विवाद का कारण बन गई। रविवार रात को, माकपा के राज्य नेतृत्व को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। पार्टी की ओर से नंदिता को टिप्पणी हटाने का निर्देश दिया गया। अंतत:, नंदिता ने पार्टी के दबाव में आकर अपनी टिप्पणी हटा दी। जब नंदिता से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि मैं इतनी अंग्रेजी नहीं समझती, इसलिए यह टिप्पणी कर दी। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अंग्रेजी में क्यों लिखा, तो उन्होंने जवाब दिया, श्यह मेरी गलती थी।ः जब उनसे यह सवाल किया गया कि क्या उन्होंने पार्टी के दबाव में टिप्पणी हटाई, तो उन्होंने कहा, श्यह मेरा निजी मामला है, इस पर मैं कुछ नहीं कहूंगी। इस पूरे मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने भी कटाक्ष किया। तृणमूल के नेता और कोलकाता के 98 नंबर वार्ड के पार्षद अरूप चक्रवर्ती ने कहा, श्मैं नंदिता दी। को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वह बहुत सरल इंसान हैं। समस्या नंदिता दी की नहीं है, असल में वामफ्रंट सरकार ने प्रारंभिक शिक्षा से अंग्रेजी हटाकर बहुत बड़ी गलती की थी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को आर.जी. कर अस्पताल के एक डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के मामले में टाला थाने के ओसी अभिजीत मंडल को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

सोनभद्र में रेलवे ट्रैक पर पहाड़ का मलबा गिरने से मालगाड़ी का इंजन के चार पहिये पटरी नीचे उतरे

सोनभद्र : चुर्क से चोपन के लिए जा रही रेल खण्ड मार्ग पर भारी बारिश के कारण पहाड़ का मलबा गिर जाने से चुनार से चोपन के लिए जा रही मालगाड़ी का इंजन के चार पहिया पटरी से नीचे उतर गए। रेलवे ट्रैक पर पहाड़ का मलबा गिरने व रेलवे ट्रैक अवरुद्ध होने की सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार सोमवार की भोर में ब्रम्ह बाबा पुल के पास घाघर नदी पोल संख्या 159/21 के पास रेलवे ट्रैक पर बारिश की वजह से पहाड़ का मलबा आ गिरा। भोर में तीन बजे चुनार रेलवे स्टेशन से चोपन स्टेशन की तरफ मालगाड़ी जा रही थी। रेलवे ट्रैक पर टर्निंग होने की वजह से ट्रेन चालक रेल मार्ग पर गिरे मलबे को देख नहीं पाया, जिससे मालगाड़ी के इंजन के चार पहिये मलबे में फंसकर ट्रैक से नीचे उतर गए और मालगाड़ी वहीं खड़ी हो गई। घटना के बाद चुर्क से चोपन रेल खण्ड मार्ग रेलवे ट्रैक अवरुद्ध हो गया। मालगाड़ी के चालक व गार्ड ने घटना की जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी। भोर की घटना होने की वजह से इस रूट पर आने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस को चुनार में रोक दिया गया, जबकि जम्मूतवी एक्सप्रेस (अप) को गढ़वा से रूट डायवर्ट किया गया है।

गुलाल उड़ाने के विरोध में दो समुदायों में चले लात-घूंसे, कई लोग घायल

- गणेश विसर्जन से लौटने के बाद हुई घटना, क्षेत्र में पुलिस बल तैनात

एजेंसी

झांसी : बुन्देलखण्ड के महोबा में गणेश विसर्जन के दौरान विशेष समुदाय के द्वारा किए गए पथराव के बाद मोंठ थाना क्षेत्र के मदारगंज इलाके में रविवार की देर शाम गणेश विसर्जन के दौरान गुलाल उड़ाने के विरोध में दो समुदाय के लोग आपस में भिड़ गए। उनके बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। दो समुदाय के बीच मारपीट की सूचना पर हड़कंप मच गया। पुलिस भी अलर्ट हो गई। मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही तीन आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया। वहीं, सुरक्षा को देखते हुए गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

मदारगंज निवासी मुन्ना रायकवार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पड़ोस में ही दूसरे समुदाय के लोग रहते हैं। रविवार दोपहर करीब दो बजे गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए जाते समय गुलाल उड़ाने को लेकर उनके साथ गाली-गलौज की गई थी। देर शाम जब वह लोग प्रतिमा विसर्जन कर लौटे तब उनके मोहल्ले के रास्ते से गाड़ी निकालने को लेकर समुदाय विशेष के लोगों ने फिर विवाद शुरू कर दिया।आरोप है कि इसके बाद दूसरे समुदाय के लोगों ने अचानक घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। तब तक मुन्ना रायकवार के पक्ष से भी तमाम लोग वहां आ पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इसमें दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इस सूचना पर मोंठ सीओ हरिमोहन सिंह की अगुवाई में कई थानों से पुलिस फोर्स भी पहुंच गया। पुलिस अफसरों ने किसी तरह मामला शांत कराया। घायलों को अस्पताल भेजा गया। इसके बाद देर रात तक दोनों ही पक्ष के लोग एक-दूसरे की शिकायत लेकर थाने पहुंच गए। सैकड़ों लोग थाने के बाहर जमा हो गए। हिन्दू संगठनों के नेता भी वहां जा पहुंचे। थाने पर पुलिस बल को तैनात कर दिया गया। काफी देर तक कार्यकर्ता वहां जमे रहे। पुलिस अफसरों के मुकदमा दर्ज कराने का भरोसा दिलाने पर कार्यकर्ता वहां से जाने को राजी हुए। एसपी ग्रामीण गोपीनाथ सोनी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिनके नाम तहरीर में बताए गए थे, उनमें से तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में जिनके और नाम सामने आएंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शांतिभंग करने वालों को किसी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। पूरे मामले की छानबीन कराई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएंगे।

ओली सरकार का घटक दल नेपाली कांग्रेस चीन की नीति से खफा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की केपी ओली सरकार का घटक दल नेपाली कांग्रेस चीन की नीति से खफा है। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने चीन की नेपाल नीति की तीखी आलोचना की है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में सोमवार को थापा ने कहा कि नेपाल पर चीन की नीति उनकी समझ से परे है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नेपालआने वाला चीन का हर सरकारी प्रतिनिधिमंडल दो तरह की बात करता है। बीजिंग से आने वाला चीन का राजदूत हो या प्रतिनिधिमंडल जब वह गैर वामपंथी दलों से मिलता है तो नेपाल के सभी राजनीतिक दलों से बराबर का संबंध होने की दुहाई देता है। जब वामपंथी दलों से मिलता है तो तुरंत वाम एकता की बात करता है। सभी कम्युनिस्ट दलों को मिलाकर एक दल बनाने का दबाव बनाता है।

नेपाली कांग्रेस के महामंत्री ने कहा कि चीन यह विदेश नीति समझ से परे है। नेपाल के आंतरिक मामले में वह सीधा हस्तक्षेप करता है। वामपंथी दलों की सरकार बनने पर चीन खुलकर समर्थन करता है । हरसंभव मदद देने की बात करता है। दूसरी पार्टी की सरकार बनती है तो रवैया बदल लेता है इस मौके पर लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा ने कहा कि नेपाल की आंतरिक राजनीति में बढ़ता चीन का हस्तक्षेप किसी भी कोण से नेपाल के हित में नहीं है। अगर नेपाल ने इसका विरोध नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब नेपाल में कोई अमेरिका समर्थक पार्टी होगी तो कोई भारत समर्थक।

जन्मदिन पर मुख्यमंत्री धामी को प्रधानमंत्री, शाह, गडकरी, योगी सहित कई नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आज 49 वां जन्मदिन है। उनके जन्मदिन पर सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मुख्यमंत्री धामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर टपकेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश इस समय प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। उन्होंने अपने जन्म दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है किया है कि इस अवसर पर आपदा पीड़ितों के पास पहुंच कर उनकी हरसंभव मदद करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,' जो राज्य को बदलने के लिए विभिन्न पहलों में सबसे आगे हैं। वह लंबा और स्वस्थ जीवन जीएं।' केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री धामी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखंड विकास व गरीब कल्याण का सुनहरा दौर देख रहा है। बाबा केदारनाथ से आपके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में देवभूमि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना की है। असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिश्व शर्मा ने धामी को एक व्यावहारिक नेता बताते हुए कहा कि वह यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि देवभूमि का वास्तविक स्वरूप संरक्षित रहे।

शाहपुरा व जहाजपुर सहित जिले में बाजार बंद, सहमति के बाद समाप्त हुआ धरना

एजेंसी

भीलवाड़ा : शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में लगातार तीसरे दिन भी बाजार बंद रहे, हालांकि रविवार देर रात हिंदू संगठनों और प्रशासन के बीच सहमति बनने के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। सोमवार को बारावफात के चलते सर्व हिन्दू समाज के बिना किसी अधिकारिक आह्वान के भी स्वैच्छिक बंद है। बंद शाहपुरा जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में है। बंद केवल जुलूस निकलने तक ही रखा गया है। इस बंद का असर शाहपुरा जिला मुख्यालय के अलावा खजुरी, शक्करगढ़, पीपलूंद और काछोला जैसे आसपास के कस्बों में भी देखा गया। लोगों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। जहाजपुर में एकादशी पर धार्मिक जुलूस के दौरान हुए पथराव की घटना के बाद से ही तनाव बना हुआ था। इस घटना के बाद पीतांबर राय भगवान का बेवान, जिसे किले पर ले जाना था, अस्थायी रूप से आज कल्याणराय जी के मंदिर में रखा गया। प्रशासन और हिंदू संगठनों के बीच सहमति बनने तक अगले तीन दिन तक बेवान को यहीं रखा गया है। प्रशासनिक जांच के बाद ही बेवान को किले पर ले जाया जाएगा। रविवार देर रात के दौरान हुए धरना प्रदर्शन के दौरान हिंदू संगठनों की मांगों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की। इसके तहत, अवैध केबिनों और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। इसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया और स्थिति को शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपील की गई।

सरूपथार में अमृत सरोवर में डूबा युवक

गोलाघाट : जिले के सरूपथार के दिघाली चाय बागान में स्थित अमृत सरोवर तालाब में गिरने के बाद एक युवक लापता हो गया। लापता हुए युवक की पहचान विशाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि विशाल सिंह पक्षियों का शिकार करने के लिए अमृत सरोवर तालाब के पास गया था। शिकार पर जाते समय अमृत सरोवर में गिरने के बाद से विशाल लापता है। विशाल सिंह का घर बरपथार नंबर 2 गांव में बताया गया है। स्थानीय लोगों ने अमृत सरोवर में काफी देर तक उसकी तलाश की। लेकिन विशाल नहीं मिला। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पुलिस के साथ पहुंची एसडीआरएफ की टीम युवक की तलाश कर रही है।

ममता ने दी ईद-ए-मिलाद-उन-नबी जयंती की मुबारकबाद

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर अपने ट्विटर हैंडल से देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि इस पवित्र दिन पर महानवीन हजरत मोहम्मद के जीवन और उनकी शिक्षाओं का स्मरण करना चाहिए, जो विश्व शांति, भाईचारे, न्याय और मानव कल्याण के प्रतीक हैं। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का पर्व इस्लामी कैलेंडर के रबी अल-अव्वल महीने की 12वीं तारीख को मनाया जाता है। इस दिन को पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। इसे 'मौलिद' या 'जश्न-ए-मिलाद' भी कहा जाता है। इस दिन को पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं पर चलने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के रूप में मनाया जाता है। खासकर सूफी परंपरा में इसका विशेष महत्व है, और इस दिन को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग विशेष प्रार्थनाएं करते हैं, दान देते हैं, और मस्जिदों और घरों को सजाते हैं। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का पर्व पैगंबर मोहम्मद के प्रति प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है।

बुढ़वा मंगल को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर पुख्ता इंतजाम, आवागमन में रहेगा प्रतिबंध

कानपुर/एजेंसी : बुढ़वा मंगल को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए और श्रद्धालुओं को सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु 16 की शाम 4 बजे से 17 सितंबर की रात 2 बजे तक शहर में चलाने वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही विभिन्न मार्गों में परिवर्तन व्यवस्था लागू किया है। यह जानकारी सोमवार को पुलिस उपायुक्त यातायात रविन्द्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कानपुर देहात से थाना सचेंडी भौंती बाईपास चौराहा होते हुए पनकी मंदिर की ओर जाने वाले श्रद्धालु भौती चौराहे से आगे पनकी पड़ाव गंगागंज क्रॉसिंग से बांये मंदिर तक पहुंचेंगे एवं इनके वाहनों के लिये पार्किंग स्थल स्टेशन रोड तिराहा से पूर्व गंगागंज मार्ग के दोनों ओर एवं इस मार्ग से अन्य विभिन्न लिंक मार्गों पर उपलब्ध करायी गयी है।

शेयर बाजार में तेजी का रुख, पहले घंटे में ही सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ ली। शुरूआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफल रहे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अडाणी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 1.71 प्रतिशत से लेकर 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, ब्रिटानिया, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, हीरो मोटोकॉर्प और नेस्ले के शेयर 2.36 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,382 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,392 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 990 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 8 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 94.39 अंक की बढ़त के साथ 82,985.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक गिर कर 82,904.76 अंक तक आया, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इसकी चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,184.34 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण इस सूचकांक में गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 197.64 अंक की तेजी के साथ 83,088.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 50.15 अंक की बढ़त के साथ 25,406.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक गिर कर 25,366 अंक के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई। लगातार हो रही लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक करीब 90 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च शिखर 25,445.70 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल धीमी पड़ती नजर आई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 60.50 अंक की तेजी के साथ 25,417 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 71.77 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,890.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज एक बार फिर 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे गिर गया है। सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 74,930 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज गिरावट आई है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सराफा बाजार में आज चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

किशोरी ने की आत्महत्या, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

कोलेबिराः थाना क्षेत्र के लचरागढ़ करंजटोली गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस इस मामले की छानबीन में जुटी हुई है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। मामले की जांच के बाद ही आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता चल पाएगा। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, पुलिस ने परिजनों को सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

उच्च विद्यालय डुमरिया में चिकित्सा शिविर का आयोजन

सिमडगाः जिलान्तर्गत कम्यूनिटि पुलिसिंग के तहत , पुलिस-पब्लिक के आपसी संबंध को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बानो थाना के अति सुदूरवर्ती क्षेत्र डुमरिया उच्च विद्यालय डुमरिया में सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बानो के सहयोग से एक दिवसीय, चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जो काफी सफल साबित हुआ। शिविर में काफी संख्या में लगभग 100 से 150 ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया । भविष्य में भी कम्यूनिटि पुलिसिंग के तहत सिमडेगा पुलिस द्वारा इस प्रकार का आयोजन किया जाता रहेगा। सिमडेगा जिला वासियों से सिमडेगा पुलिस, आपके अमूल्य सहयोग की अपील करता है।

तीन दिन की लगातार बारिश से उफनाया हिरणी फॉल

बंदगांवः प्रखंड में तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण बंदगांव प्रखंड के हिरणी फॉल भी मंगलवार को उफना गई । लगातार बारिश होने के कारण पहाड़ी नदियां भर गई हैं। हिरणी फॉल के झरना से काफी उपर से बाहर बह रहा हैं। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से किसी को भी हिरणी फॉल के झरने की ओर नहीं जाने दिया जा रहा हैं। हिरणी फॉल में तैनात सुरक्षा कर्मी लगातार उसपर नजर बनाए हुए हैं. मालूम रहे कि शनिवार की शुबह से क्षेत्र में तेज बारिश हो रही हैं. हिरणी फॉल के झरने का पानी सीधे नदी में गिर रहा हैं. हालांकि अभी तक किसी तरह की कोई नुकसान नहीं हुआ हैं.। वहीं हिरणी फॉल के उफनाने की सूचना पर प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा बढ़ा दिया गया हैं. हिरणी फॉल में आम लोगों को आने जाने के लिए पाबंदी लगा दिया गया हैं.वहीं हिरणी फॉल के नजदीक बस्ती में रहने वालों को सतर्क कर दिया गया है।

करमा एक तरह से रक्षाबंधन का त्योहार हैः सुभाष चंद्र दुबे

रांचीः वनवासी कल्याण केन्द्र की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति रांची द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशु/विद्या मंदिर लचरागढ़ में प्रकृति का महापर्व करम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि सुभाष चन्द्र दुबे,प्रान्त शिक्षा प्रमुख वनवासी कल्याण केन्द्र राँची,राजेश अग्रवाल मंत्री श्रीहरि विकास समिति राँची द्वारा संयुक्त रूप से माता सरस्वती,ओम,भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवम पुष्पचंन कर कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन किया गया। उसके बाद संजय कुमार पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोचारण के साथ करम पूजा एवं कथा श्रवण विधि विधान के साथ प्रारंभ हुई। इस अवसर पर कला एवं संस्कृति के संरक्षण,संवर्धन करने वाले गायक फेकु नायक,विद्या बड़ाईक, को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।अंत में आरती के साथ पूजन समाप्त हुई। भारी वारिश में भी रात भर गायन वादन ओर नृत्य हुआ। सुबह ग्राम भ्रमण के साथ देवनदी में करम राजा को प्रवाह किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकुमार साहु, रमेश ओहदार,संदीप साहु,जनकु सिंह,राम बड़ाईक,आशीष अग्रवाल,रमेश अग्रवाल,कृष्णा गुप्ता,गुप्ता बैग हाउस सिमडेगा,विनीत मित्तल,सहेली साड़ी सेंटर सिमडेगा ने धन देकर सहयोग किया। इन्हें विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव राजेश अग्रवाल,सहसचिव रिक्की अग्रवाल,कोषाध्यक्ष आनन्द जैन, अभिभावक प्रतिनिधि राजकुमार साहु,अजय पाणिग्रही प्रधानाचार्य शिशु मंदिर डुमरी,अशोक सिंह,लालमोहन सिंह, अनिरुद्ध सिंह,भाजयुमो ज़िला अध्यक्ष सिमडेगा,मिडिया प्रभारी रंजन साह,पत्रकार अनुज साहु, दिनेश जी एवम लचरागढ़ के गण्यमान्य महानुभाव और भारी संख्या में अभिभावक,ग्रामीण उपस्थित थे।

वैश्य चौधरी कल्याण समिति का चुनाव संपन्न नवीन जायसवाल संरक्षक व पुतुल चौधरी बने अध्यक्ष

रांचीः वैश्य चौधरी कल्याण समिति रांची झारखंड द्वारा आयोजित आमसभा चुनाव संस्था के संरक्षक ललित कुमार चौधरी के अमरूद बागान स्थित निवास स्थान पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । चुनाव प्रभारी महेंद्र प्रसाद जायसवाल के द्वारा सत्र 2024 /27 के लिए चुनाव संपन्न कराया गया। सर्व समिति से निम्नलिखित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए।

अध्यक्ष : पुतुल कुमार चौधरी **उपाध्यक्षः** ओमप्रकाश चौधरी

परमानंद चौधरी , महासचिव विनोद कुमार जायसवाल **सचिव :** इंद्रजीत चौधरी, अनिल चौधरी **कोषाध्यक्ष :** ओम प्रकाश चौधरी(पप्पू जी) कार्यकारिणी सदस्य : राजीव कुमार चौधरी ,महेश चौधरी ,सुधीर चौधरी,सूर्य भूषण चौधरी ,पवन चौधरी ,अभिषेक कुमार चौधरी .अमित जायसवाल संतोष कुमार चौधरी ,विवेक कुमार ,रणधीर चौधरी ,विजय चौधरी ,सुजीत चौधरी,पंकज चौधरी ,प्रशांत सूरज बंटी इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वैश्य कल्याण समिति के संरक्षक हटिया विधायक नवीन जायसवाल, भाजपा नेता संजय कुमार जायसवाल ,आदित्य विक्रम जायसवाल हरिशंकर चौधरी, अवध किशोर चौधरी(नेपाली)ने सभी नवनिर्वाचित संस्था के सदस्यों को शुभकामनाएं व बधाई दी।

अपराध गोष्ठी व पुलिस सभा का आयोजन

कांडों के निष्पादन और उद्भेदन को लेकर दिये गये कई आवश्यक दिशा- निर्देश

मेट्रो रेज

सिमडेगाः पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में, अपराध गोष्ठी तथा पुलिस सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी थानों के विगत माह में प्रतिवेदित/निष्पादित काण्डों की समीक्षा की गयी। काण्डों के निष्पादन और उद्भेदन हेतु कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही आयोजित पुलिस सभा में पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के समस्याओं तथा उसके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया जो निम्न प्रकार है। -

- अनुसंधान के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए कोर्ट के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित करते हुए सही समय पर सम्मन/वारंट का तामिला कराना तथा गवाहों को न्यायालय में उपस्थापित कराना।
- काण्ड के निष्पादन एवं उद्भेदन में सक्रियता के साथ-साथ तेजी लाना और गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान करना।
- अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से रोड फेसिंग सीसीटीवी कैमरा का अधिष्ठापन।
- शातिर अपराध कर्मियों/अपराधियों/नक्सलियों का सत्यापन कर उसपर निगरानी रखना।
- जमानतदारों का सत्यापन करना।
- सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु प्रभावी रूप से वाहन चेकिंग करना एवं एमभीआई एक्ट के विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करना।
- क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की निरंतर निगरानी करना।
- अवैध शराब के विरूद्ध लगातार छापेमारी करना।
- कम्यूनिटि पुलिसिंग से संबंधित कार्य करना।

अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक महोदय, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी सिमडेगा, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, सभी थाना प्रभारी, तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधान सभा चुनाव 2024 कोल्हान के लिए है काफी महत्वपूर्ण (दो)

सांसद मधु कोड़ा ने सिंहभूम संसदीय क्षेत्र का किया विकास

बिनय मिश्रा

इतिहास के पन्नों में अपनी जबरदस्त और मजबूत पकड़ रखने वाला अविभाजित चाईबासा जिला वर्तमान समय में कोल्हान प्रमण्डल का मुख्यालय है। चाईबासा जिला से ही पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला-खरसवां एवं पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर का निर्माण हुआ। 1989 में पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर का गठन अविभाजित बिहार के समय हुआ तो वहीं 2001 में झारखण्ड राज्य बनने के बाद सरायकेला-खरसावां जिला बना। एक समय चाईबासा जिले में ही तीनों समाहित थे। अब यही तीन जिला कोल्हान प्रमण्डल के रूप में पहचाना जाता है। पश्चिम सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र अविभाजित बिहार के समय मंगल सिंह लामाय के जीतने और लालु प्रसाद यादव के मंत्रीमंडल में स्वास्थ्य मंत्री बनाये गये थें। इसके बाद मधुकोड़ा मंत्री और बाद में मुख्यमंत्री भी बनें। 2009 के लोकसभा चुनाव में श्री कोड़ा सिंहभूम संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और एतिहासिक मतों से चुनाव जीतकर सांसद बनें। श्री कोड़ा इस प्रकार से मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद भी रह चुके हैं। 2009 से 14 तक वे सांसद रहें और सांसद के रूप में सिंहभूम संसदीय क्षेत्र का विकास भी किया। कहते हैं राजनीति कभी उपलब्धि तो कभी नाकामयाबी भी दिलाती है किन्तु श्री कोड़ा जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से स्वयं दो बार विधायक रहें और उनकी पत्नी गीता कोड़ा भी दो बार विधायक भी रहीं। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में श्रीमती गीता कोड़ा 2009 में पति मधुकोड़ा के सांसद बनने के बाद 10 वर्षों के अन्तराल में यानी2019 में सांसद बनीं। वर्तमान समय में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और गीता कोड़ा भाजपा में हैं जिसका लाभ निश्चित तौर पर पार्टी को मिलेगा। ऐसा राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व सांसद गीता कोड़ा को पार्टी का प्रवक्ता भी बनाया है जो निश्चित तौर पर राजनीतिक पकड़ और जानकारी के फलस्वरूप इन्हें महत्वपूर्ण जवाबदेही सौंपा गया है। 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इस बार कोल्हान में पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोड़ा के राजनीतिक पकड़ और अनुभव का लाभ से निश्चित तौर पर मजबूत स्थिति मानी जा रही है और इसका परिणाम भी पार्टी के लिए बेहतर आंका जा रहा है। विधानसभा चुनाव की घोषणा अभी भी, कभी भी हो सकती है और इसके लिए भाजपा ने व्यापक रणनीति और तैयारी कर रखी है। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि पश्चिम सिंहभूम जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र में भाजपा बेहतर रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।

रांची महानगर जगरनाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति का गठन, इंदरजीत सिंह पुनः बने अध्यक्ष

रांचीः महानगर जगरनाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति 2024 की वार्षिक बैठक धुर्वा के मेफेयर बैंक्वेट हॉल में सम्पन्न हुई। धुरवा थाना, जगरनाथपुर थाना एव तीपुदना थाना के अंतर्गत 28 पूजा समितियों ने मिल कर समिति का गठन किया एवम आगे की तैयारी पे चर्चा की गई। समिति के द्वारा इंदरजीत सिंह को पुनः अध्यक्ष एव मनोज यादव को कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया। महिला विंग में सुमन देवी को संरक्षक एव शुलेखा सिंह को अध्यक्ष बनाया गया। रवि सिंह को युवा दस्ता का अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधिमंडल को माला एव चुनरी पहना कर स्वागत किया गया।

समिति के संस्थापक स्व कृष्णमोहन सिंह, मुख्य संरक्षक रहे स्व. राणा संग्राम सिंह एव औद्योगक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रहे स्व वेद प्रकाश सिंह जी के याद में दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गयी। मंच संचालन समिति के संरक्षक शिवेश सिंह ने किया एव धन्यवाद ज्ञापन सुशील वाजपयी ने किया। समिति इस प्रकार है।

राँची महानगर जगन्नाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति

संस्थापक- स्व.कृष्णमोहन सिंह **मुख्य संयोजक -** पवन कु. सिंह

मुख्य संरक्षक - कुणाल अजमानी,मुनमुन कुमार

संरक्षक - नंदन यादव, भोला झा, कुणाल शाहदेव, हरेन्द्र सिंह, सचिदानंद तिवारी,मुन्ना ठाकुर, संदीप कुमार, दीपक सिंह, विशाल सिंह, शिवेश सिंह, संजय सिंह, शुशील वाजपयी, संजू चौबे, दुर्गा चौधरी, अनु, बबलू शुक्ला, रविन्द्र सिंह, मोनू सिंह, बी.पी सिंह

अध्यक्ष- इंदरजीत सिंह **कार्यकारी अध्यक्ष-** मनोज यादव

वरीय उपाध्यक्ष- आकाशदीप, गोपाल उपाध्याय, चंदन यादव, गुंजन सिंह, परशुराम, कुणाल सिंह:, सचिन सिंह, शिवलाल सिंह, जे.पी शर्मा, रवि शंकर, रवि साहनी, रोहित शेखर,कुलदीप, कुंज सिंह

महासचिव - धर्मवीर सिंह **सचिव -** प्रकाश कुमार, अजय सिंह

कोषाध्यक्ष - संतोष यादव **मीडिया प्रभारी-** बादल सिंह, मोनल श्रीवास्तव **प्रवक्ता -** साहिल सिंह **युवा दस्ता** अध्यक्ष- अंकित सिंह

महिला समिति **संरक्षकः** सुमन देवी, मंजू सिंह, नीतू सिंह, बिंदु सिंह

अध्यक्ष- शुलेखा सिंह **कार्यकारी अध्यक्ष-** नीलम चौबे

महामंत्री- डॉली जायसवाल वाल **उपाध्यक्ष-** अनु सिंह, मंजू कुमारी, मालती सिंह, मोनिका कौर, सुनीता देवी मंत्री- किरण देवी, धरती देवी, संध्या सिंह, मंजू उपाध्याय ।

ईद मिलादुन्नबी पर जश्न मीलाद का आयोजन

1984 से पहले अब्दुर रऊफ के यहां होता आया है जश्न मीलाद

रांचीः आज जश्ने ईद मिलादुन्नबी (स0) पूरे शान व शौकत के साथ मनाया गया। ईद मिलादुन्नबी पर कई जगह जश्न मीलाद का योजन किया गया। जगह जगह लंगर बांटे गए। जश्न मीलाद पर एदारे शरिया झारखण्ड व सुन्नी बरेलवी सेण्ट्रल कमिटी के सरपरस्त मो सईद के आवास मधुबन मार्केट मेन रोड में जश्ने मिलाद की धूम रही। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे अकीद्त व एहतराम के साथ पैगम्बर मोहम्मद(स) की आमद का जशन मनाया गया। इस मौके पर मदरसा इस्लामी मरकज के छात्रों द्वारा कुरान पाक की तिलावत की गई। उलेमा ए एकरम, पंचयात, तंजीम के ओहदेदार जश्न मीलाद में शामिल हुए और मोहम्मद (स0) के सीरत पर खूब चर्चा की गई। नारे रिसालत का नारा बुलंद किया गया। जलसे का आयोजन मो सईद के बेटे मो महजूद खलीफा, मो मकसूद, मो तौहीद ने किया। एम सईद ने कहा की हमारे यहां जश्न मीलाद 1984 से पहले मेरे पिता स्वर्गीय अब्दुर रऊफ करते थे। इस मीलाद में जितने लोग भी आते है उनका खाना पीना, लंगर का व्यवस्था रहता है। ज्ञात हो कि अभी कुछ माह पहले 22 जुलाई 2024 को एम सईद की पत्नी सैरुन निशा का निधन हो गया था। जिसकी मिट्टी मंजिल 23 जुलाई 2024 को रातु रोड कब्रिस्तान में अदा की गई थी। इस जश्न मीलाद में उनका इसाल ए सवाब किया गया। जश्न मीलाद में मुख्य रूप से करी अयूब रिजवी, मुफ़्ती जमील, मुफ़्ती ऐजाज हसन मिस्बाही, मौलाना नूर मोहमद, मौलना नेजाम, हाफिज मोजीबुर्रहमान, सुन्नी बरेलवी सेन्ट्रल कमिटी के सदर डॉ मौलाना ताजुदीन रिजवी, महा सचिव अकीलुर्रहमान, मौलाना जसमुद्दीन, मौलाना अब्दुल्लाह रिजवी, मुफ़्ती आकिब, मौलाना शमशाद, मौलाना कलीम रिजवी, हाफिज शमसाद, हाफिज रेहान, मौलाना शेर मोहमद, मौलाना रिजवान, एकराम पपु, हाजी इस्लाम अशरफी, मो महजूद खलीफा, मो मकसूद, अफताब आलम, मंसूर चिश्ती, मेराज अशरफी, मो इकबाल अशरफी, मो नौशाद, मो सरफराज, साजिद उमर, मंजूर आलम, मो परवेज,मो गुलजार, मो जाकिर, मो जहाँगीर, सहित बड़ी तादात आशिकाने रसूल इस बा बरकत महफिल में शामिल हुए।

जेएमएम जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना के प्रयास से छह दिन बाद कर्नाटक से टिनगीना पहुंचा मृतक मजदूर का पार्थिव शरीर

मृतक मजदूर के बूढ़े मां- बाप ने कहा हमने बेटे के शव को अंतिम बार देखने की छोड़ दी थी आस

सिमडेगाः कर्नाटक राज्य के उड़पी में मृत मजदूर मंगनू साय का पार्थिव शरीर जेएमएम जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना के अथक प्रयास के बाद हवाई जहाज के माध्यम से रांची एयरपोर्ट पहुंचा जहाँ कागजी कार्रवाई के बाद देर रात 2 एम्बुलेंस से पार्थिव शरीर उसके घर पहुँच गया। ज्ञात हो की जलडेगा थाना क्षेत्र के टिनगीना निवासी मंगनू साय रोजगार की तलाश में कर्नाटक गया था जहाँ विगत रविवार को उड़पी नामक जगह में तबीयत बिगड़ने के कारण उसकी उड़पी के सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी । तब से उसका पार्थिव शरीर उसी सरकारी अस्पताल में पड़ा हुआ था। इधर मंगनू की मौत की खबर सुन पूरा परिवार सदमे में आ गया मृतक के बूढ़े माँ बाप, अविवाहित बहन, बूढ़ी दादी एवं गर्भवती पत्नी सबकी जिम्मेदारी मंगनू साय पर थी। गरीबी और लाचारी से बेबस इस परिवार ने मृतक के शव को लाने की गुहार हर जगह लगाई किन्तु कहीं से कोई उम्मीद नहीं मिली एक समय आया जब परिवार ने मंगनू के शव को आखरी बार देखने की उम्मीद भी छोड़ दी थी। जलडेगा के मीडिया कर्मी दिनेश साहू, अलोक कुमार एवं रोशन ठाकुर ने इस गंभीर समस्या से जेएमएम जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना को अवगत कराया जिसपर त्वरित संज्ञान लेते हुए अनिल कंडुलना ने पोस्टमार्टम से लेकर शव के घर पहुँचने तक सारी व्यवस्था का भार अपने कंधे पर लिया एवं रात रात तक जागकर सारी व्यवस्था की निगरानी स्वयं की। अनिल कंडुलना ने लगातार जलडेगा के तीनों पत्रकारों से संपर्क साधे रखा एवं मृतक के परिजनों की चिंता भी व्यक्त करते रहे आखिरकार जेएमएम जिलाध्यक्ष के सराहनीय प्रयास और लगन के कारण शुक्रवार देर रात मृतक मंगनू साय का पार्थिव शरीर उसके घर पहुँच गया।

मामले पर मुख्यमंत्री ने लिया था संज्ञान उपायुक्त को दिए थे निर्देशः कर्नाटक में मृतक मजदूर की मौत के मामले पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी संज्ञान लिया था एवं उपायुक्त सिमडेगा को मृतक मजदूर के शव को लाने सम्बंधित व्यवस्था की जानकारी से अवगत कराने एवं परिजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने का निर्देश दिया था। जिसपर उपायुक्त के निर्देश पर श्रम अधीक्षक पुनीत मिंज द्वारा श्रम विभाग की और से 50000 रुपए का चेक परिवार को सौंपा गया वहीं जलडेगा बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार द्वारा पीड़ित के घर जाकर राहत सामग्री देते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ देने की बात कही।

मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए जेएमएम जिलाध्यक्षः मृतक मजदूर के शव के घर पहुँचने पर जेएमएम जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना सुबह मृतक मंगनू साय के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मृतक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा जेएमएम शोकाकुल परिवार के साथ है। परिवार अपने को कभी अकेला ना समझें । झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का हरेक सिपाही उनके मदद के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

शव के पहुँचने पर नेताओं में लगी श्रेय लेने की होड़ः मृतक मजदूर की मौत पर राजनीती सियासत भी शुरू हो चुकी है। कई नेताओं में इस मामले के श्रेय लेने की होड़ मची है। सूत्रों के अनुसार कई नेता लगातार इधर उधर संपर्क कर अपने को इस मामले में जोड़ने के लिए प्रयासरत दिखाई दे रहे हैं तो कई पीड़ित के घर जाकर खुद को उनके सुख दुख का सच्चा साथी बता रहे हैं। हालांकि सच्चाई ये है की शव को कर्नाटक से जलडेगा टिनगीना लाने में जेएमएम जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कर्नाटक में हुई कागजी कारवाई से उत्पन्न समस्याओं का निदान कराकर शव को टिनगीना लाने में सराहनीय प्रयास किया जिसके बदौलत मृतक का पार्थिव शरीर आज उसके घर पहुँच सका।